RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:292 ता. 11 मई 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

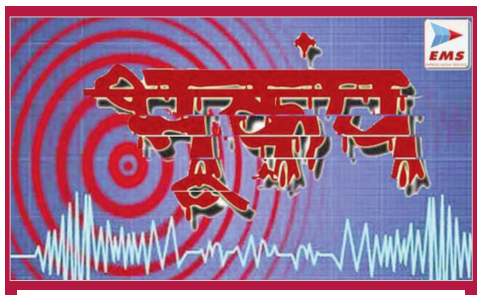

कारगिल में भूकंप के लगे झटके, लोग घरों से बाहर भागे

कश्मीर।

जम्मू-कश्मीर के कारगिल में आज सुबह सात बजकर 22 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। जैसे ही झटके लगे लोग डर के कारण घर से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। इससे सुबह-सुबह भूकंप आने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार रिक्टर स्केल पर 4.3 की तीव्रता आंकी गई है। भूकंप से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 19 अप्रैल की सुबह भी जम्मू-कश्मीर के कारगिल और लद्दाख में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस दौरान रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। जम्मू-कश्मीर में बार-बार आ रहे भूकंप के चलते लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वहीं 18 अप्रैल की रात जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में भूकंप के झटके महसूस हुए थे। उस दौरान रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई थी। बीते कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में बार-बार भूकंप आता देखा जा रहा है। एक मई को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आधी रात को भूकंप महसूस किया गया था। उस दौरान रिक्टर स्केल पर 3.4 तीव्रता मापी गई थी। भूकंप रात एक बजकर 33 मिनट पर आया। हालांकि उस दौरान भी भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त और हताहत होने की कोई जानकारी नहीं थी।

वाराणसी में पीएम मोदी के रोड शो से पहले दशाश्वमेध घाट पर हुआ ड्रोन शो

वाराणसी । वाराणसी में पीएम मोदी के रोड शो से पहले ड्रोन शो हुआ। इस दौरान दशाश्वमेध घाट के गंगा पार रेती से एक साथ 1000 ड्रोन उड़े। जिसमें कमल का फूल, डमरू, विश्वनाथ दरबार, गंगा विलास क्रूज और नमो घाट का नजारा दिखा। इस शो को देखने के लिए गंगा के 88 घाटों पर करीब ढाई लाख लोग पहुंचे। ये शो लगातार 4 दिनों तक होगा। गुरुवार को दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती के बाद शाम 7 बजकर 45 मिनट पर ड्रोन शो शुरू हुआ। 15 मिनट के इस शो में पीएम मोदी का लोगों से कनेक्ट दिखाया। साथ ही 1000 ड्रोन से गंगा के ऊपर पीएम मोदी के 10 साल में किए गए विकास को दिखाया गया। फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के नारे की आकृति भी बनाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मई को वाराणसी में 5 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। रोड शो का रूट भी तय हो गया है। वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाहर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद अस्सी घाट के रास्ते से सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया, बांसफाटक होते हुए बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर से मंदिर तक पहुंचेंगे। मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। 14 मई को वाराणसी संसदीय सीट के लिए पीएम मोदी तीसरी बार नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

एनडीए व इंडी अलायंस की नजरें बिहार की 40 सीटों पर हैं, तेजस्वी ने चिराग पासवान को नादान बताया

पटना ।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिहाज के बिहार का एक महत्वपूर्ण स्थान है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी अलायंस दोनों की ही नजरें राज्य की 40 लोकसभा सीटों पर टिकी हैं। अब भाजपा का साथ देने को लेकर राजद नेता तेजस्वी यादव ने चिराग पासवान पर खुलकर हमला बोला है। तेजस्वी ने चिराग पासवान को नादान बता दिया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चिराग पासवान पर हमला करते हुए कहा है कि मोदी जी ने चिराग पासवान के साथ जो किया है उनके पिता जी की मूर्ति फेंकी गई व उनके घर को खाली करवाया गया और उनकी पार्टी को तोड़ा गया। इसके बावजूद चिराग पासवान मोदी जी के हनुमान बने हुए हैं। कोई खुदगर्ज आदमी होता तो मोदी जी के साथ नहीं रहता, लेकिन चिराग पासवान की अपनी सोच है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि चिराग पासवान को आरक्षण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह जानकारी उन्हें तभी मालूम होगी जब वे अपने पिता राम विलास पासवान जी के भाषणों को सूनेंगे। उनके पिता ने भी कहा है भाजपा आरक्षण को समाप्त करना चाहती है। तेजस्वी ने आगे कहा कि चिराग पासवान नादान हैं। मोदी जी हैं तो आरक्षण, लोकतंत्र, संविधान पर खतरा है। बिहार में लोकसभा चुनाव 7 चरणों में होंगे। वहीं 4 जून को चुनाव के नतीजे आएंगे।

जयकारों संग केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, आज से चारधाम यात्रा प्रारंभ

केदारनाथ ।

केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट छह माह बंद रहने के बाद शुक्रवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा आरंभ हो गई। दोनों धामों के कपाट सुबह 7 बजे खोले गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी अपनी पत्नी गीता के साथ केदारनाथ में द्वार खोले जाने की प्रक्रिया के साक्षी बने। बम-बम भोले और बाबा केदार की जय के उद्घोष के साथ प्रात: 7 बजे विधि विधान से विशेष पूजा-अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच केदारनाथ मंदिर का मुख्य द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इस अवसर पर सेना के ग्रेनेडियर रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों के साथ मंदिर परिसर में मौजूद करीब 10 हजार श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए। कुछ श्रद्धालु परिसर में डमरू के साथ नृत्य करते दिखाई दिए । मंदिर को 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। कपाट खुलते समय तीर्थ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी की गई। वहीं उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम के कपाट भी 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान परिसर में हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे जो मां यमुना की जय का उद्घोष कर रहे थे।

शैव लिंगायत विधि से होती है पूजा

विश्व प्रसिद्ध भगवान केदारनाथ धाम के कपाट वैदिक मंत्रोचार और विधि विधान के साथ आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग और मुख्य पुजारी शिवशंकर लिंग ने प्रसासन एवं बीकेटीसी के अधिकारियों व हक हकूकधारियों की मौजूदगी में मंदिर का द्वार खोला। सुबह 7:00 बजे मंदिर के कपाट खुलते ही भक्तों के जय बाबा केदार के जयकारों के साथ दर्शन शुरू हुए। कपाट खोलने के मौके पर हेलीकॉप्टर द्वारा मंदिर में फुल बरसाए गए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए।मान्यता है कि बाबा केदारनाथ छह महीने समाधि में रहते हैं। मंदिर के कपाट बंद होने के अंतिम दिन चढ़ावे के बाद सवा क्विंटल भभूति चढ़ाई जाती है। कपाट खुलने के साथ ही बाबा केदारनाथ समाधि से जागते हैं। इसके बाद भक्त दर्शन करते हैं। देश-दुनिया में प्रसद्धि केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का इंतजार भक्तों को उत्सुकता से रहता है। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर बाबा केदारनाथ की विधिवत पूजा की जाती है। हालांकि उत्तर भारत में पूजा का तरीका थोड़ा अलग है, लेकिन बाबा केदारनाथ में पूजा दक्षिण की वीर शैव लिंगायत विधि से

होती है। मंदिर के गद्दी पर रावल विराजते हैं, जिन्हें प्रमुख भी कहा जाता है। मंदिर में रावल के शिष्य पूजन करते हैं। रावल यानी पुजारी, जो कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं।

श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुलेंगे

श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुल रहे हैं। श्री बदरीनाथ धाम से संबंधित पांच दशक पहले समाप्त हुई रावल पट्टाभिषेक की ऐतिहासिक परंपरा पुनर्जीवित होने से बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों समेत लोगों ने खुशी जताई है। इस साल श्री बदरीनाथ धाम के रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी का पट्टाभिषेक किया गया। इससे पहले वर्ष 1977 में रावल टी केशवन नंबूदरी का पट्टाभिषेक हुआ था। इसके बाद यह परंपरा रुक गई थी।

जब तक मोदी जिंदा है

आरक्षण का अधिकार कोई छीन नहीं सकता

महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर बोला हमला

नंदुरबार।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में पीएम नरेंद्र मोदी आज लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को नंदुरबार में एक जनसभा में कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्‍होंने कांग्रेस शासित कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण देने का मुद्दा भी उठाया। उन्‍होंने कहा कि कर्नाटक में धर्म के आधार पर आरक्षण के यों? पीएम मोदी ने कहा कि जब तक वह जिंदा हैं, कांग्रेस को आरक्षण नहीं छीनने देंगे। उन्‍होंने कहा कि कांग्रेस आपकी संपत्ति को हड़पने की साजिश रच रही है। पीएम ने सैम पित्रोदा और राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उनपर भी तंज कसा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में एक बार फिर कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण की बात को सामने रखा। उन्‍होंने पूछा कि कांग्रेस में धर्म आधारित आरक्षण के यों? कांग्रेस आपकी संपत्ति हड़पने की साजिश कर रही है। साथ ही कहा कि वह है। उन्‍होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस कहती है कि मोदी आपकी कब्र खुदेगी और एक तरफ नकली शिवसेना मुझे गाड़ने की बात करती है। उन्‍होंने कहा कि मैंने बालासाहब ठाकरे को बहुत करीब से देखा है। ये लोग जीते जी भी मोदी को जमीन में नहीं गाड़ पाएंगे।

पीएम मोदी ने सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर भी कांग्रेस को घेरा उन्‍होंने कहा कि शहजादे के अंकल ने रंगभेदी टिप्पणी की है। शहजादे के गुरु ने अमरीका से कहा है कि राम मंदिर का रामनवमी उत्सव आइडिया ऑफ़ इंडिया के खिलाफ है। मोदी मंदिर जाते तो भी इनके पेट में चूहे कूदते हैं। क्या मंदिर जाना देशद्रोह है? भारत का अस्तित्व भी राम से है और प्रेरणा पुंज भी राम हैं। बता दें कि सैम पित्रोदा ने कहा था कि पूरब के लोग चाइनीज जैसे और दक्षिण भारत के लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं जिसको लेकर पूरे देश में बवाल मच गया था इसके बाद पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सुप्रीम सुझाव: कैदियों की भीड़ कम करने का आसान तरीका हो सकता है ओपन जेल

नई दिल्ली।

जेल में कैदियों की बढ़ती संख्या और सीमित जगह होने के कारण एक बार फिर कैदियों की भीड़ कम करने पर चर्चा शुरु हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने जेल में ज्यादा भीड़ को कम करने के उपाय पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की है कि ओपन जेल सिस्टम इसका एक समाधान हो सकता है। कोर्ट में जेल में भीड़ और कैदियों के पुनर्वास से संबंधित मामले की सुनवाई चल रही है। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ओपन जेल भीड़ कम करने का उपाय हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि जेल की भीड़ कम करने का यह उपाय हो सकता है कि ओपन जेल सिस्टम देश में और बढ़ाया जाए। अदालत ने कहा कि ओपन जेल सिस्टम राजस्थान में सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। इससे जेल में भीड़ कम होती है। कोर्ट ने कहा कि जेल रिफॉर्म से संबंधित मुद्दे को नहीं देखेंगे, क्योंकि यह मामला पहले से दूसरी बेंच में पेंडिंग है। आगे की सुनवाई अब 16 मई को होगी।

क्या है ओपन जेल?

ओपन जेल में ऐसी व्यवस्था होती है, जहां कैदियों को दिन के समय बाहर काम पर जाने दिया जाता है और रात में वे वापस जेल लौट आते हैं। देश में पहली ओपन जेल 1905 में मुंबई में खोली गई थी, हालांकि इसे 1910 में बंद कर दिया गया। हालांकि ओपन जेल की अवधारणा नई नहीं है। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में आज ओपन जेल खुले हुए हैं। ये जेल सामान्य जेलों से अलग होती हैं। भारत में ओपन जेल की शुरुआत ब्रिटेश काल में हुई थी।

ब्रिटेन सरकार को खालिस्तानी तत्वों पर लगाम लगाने की जरूरत

-टिम बैरो ने की अजीत डोभाल से मुलाकात, द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।

ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टिम बैरो ने अपनी दो दिवसीय यात्रा पर भारत आए। इस दौरान उन्‍होंने एनएसए अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की। इस मुलाकात में टेक्नोलॉजी और सुरक्षा पहलू पर चर्चा की गई । भारत और ब्रिटेन दोनों आपसी संबंधों में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। अजित डोभाल ने बैरो के सामने ब्रिटेन में सिख कट्टरपंथ को लेकर चिंता जताई। दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने आपसी हित के द्विपक्षीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श भी किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल ने ब्रिटेन में बढ़ते सिख कट्टरपंथ पर चिंता व्यक्त की। उन्‍होंने ब्रिटेन सरकार को खालिस्तानी तत्वों पर लगाम लगाने की जरूरत बताई कही। खालिस्तान समर्थकों की तरफ से लंदन में हिंसक विरोध प्रदर्शन के हालिया प्रकरणों के मद्देनजर यह मुद्दा उठाया। इसमें मार्च 2023 में खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) नेता अवतार सिंह खांडा की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन भी शामिल था। खांडा की बाद में जून 2023 में ब्रिटेन के एक अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत यात्रा पर आए ब्रिटेन के एनएसए टिम बैरो से मुलाकात की। दोनों ने अनेक द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर बातचीत की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जयशंकर ने लिखा कि ब्रिटेन के एनएसए टिम बैरो से दिल्ली में मुलाकात सुखद रही। अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की भी समीक्षा की। समझा जाता है कि जयशंकर और बैरो ने पश्चिम एशिया के हालात पर भी विचार-विमर्श किया।

राहुल गांधी ने अखिलेश यादव के लिए मांगा वोट, कहा-यूपी में होगी बीजेपी की सबसे बड़ी हार

कन्नौज ।

कन्नौज में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा प्रमुख व कन्नौज लोकसभा सीट से प्रत्याशी अखिलेश यादव ने कन्नौज में जनसभा की। इस दौरान उन्‍होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 10 साल नरेंद्र मोदी ने अडानी-अंबानी का नाम नहीं लिया, लेकिन अब उन्‍होंने अपने दो मित्रों का नाम ले लिया। उन्‍हें ये भी मालूम है कि अडानी कौन से टैंपो में और कैसे पैसा भेजते हैं, लगता है टैंपो वाला अनुभव प्रधानमंत्री का निजी अनुभव है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कन्नौज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, इण्डिया गठबंधन और अखिलेश यादव की यहां जीत होगी। मैं आपको लिखकर देता हूं कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का तूफान आने वाला है। आप लिखकर ले लें कि भाजपा की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रदेश में होने वाली है, क्योंकि देश को राह उत्तर प्रदेश दिखाता है, जनता ने अब परिवर्तन का मन बना लिया है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि कन्नौज में जिनते भी बड़े काम हुए हैं वह समाजवादियों की देन है, अगर कोई हाईवे पर चलता होगा तो उसे पता चलता होगा कि यह समाजवादियों का हाईवे है, लेकिन हमने हाईवे को कभी धुलवाया नहीं है, मुझे पूरा विश्वास है कि कन्नौज की जनता ऐसे लोगों को जवाब देगी जो हमारे और आपके बीच दीवार बनकर खड़े हैं। अब तो बीजेपी की हार होने में चार कदम, चार चरण बाकी हैं और ये चौथे चरण का चुनाव बिल्कुल बीच का चुनाव है, अभी तक वो बहुत नीचे जा चुके हैं।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

▸▸अब 01 जून तक कर सकेंगे चुनाव प्रचार ▸▸दिल्ली शराब नीति मामले में अंतरिम जमानत

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज सुप्रीम कोर्ट ने 1 जून तक की अंतरिम जमानत देकर बड़ी राहत प्रदान कर दी है। दिल्ली शराब नीति मामले में न्यायिक हिरासत से सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने यह जमानत सीएम केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए दी है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जुलाई तक जमानत दिए जाने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस पर सुनवाई करते हुए कहा कि सीएम केजरीवाल को डेढ़ साल तक गिरफ्तार नहीं किया गया, अत: ऐसे में 21 दिनों की जमानत से कुछ नहीं होगा। कोर्ट का कहना था कि सीएम केजरीवाल को पहले भी गिरफ्तार किया जा सकता था। इसके साथ ही जमानत पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि केजरीवाल को 02 जून को सरेंडर करना होगा। कोर्ट का साफ कहना था कि हमें कोई भी समान लाइन नहीं खींचनी चाहिए, उन्हें मार्च में गिरफ़्तार किया गया था और गिरफ़्तारी पहले या बाद में भी की जा सकती थी।

जानकारों का कहना है कि सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के आर्डर को ट्रायल कोर्ट के पास भेजा जाएगा। इसके बाद ट्रायल कोर्ट से रिलीज आर्डर निकाला जाएगा जिसे तिहाड़ जेल प्रशासन को भेजा जाना होगा। इसके बाद तिहाड़ जेल प्रशासन अपनी खाना-पूर्ति कर सीएम केजरीवाल को रिहा करेगा।

ईडी के हलफनामें पर आपति

सीएम केजरीवाल की लीगल टीम ने ईडी के हलफनामे पर कड़ा एतराज जताया और सुप्रीम कोर्ट में शिकायत भी दर्ज कराई है। दरअसल टीम का कहना था कि कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद और फैसले से ठीक पहले हलफनामा पेश करना कानूनी प्रक्रिया का घोर उल्लंघन है। खासतौर पर तब जबकि हलफनामा पेश करने की इजाजत भी सुप्रीम कोर्ट ने नहीं ली गई। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बगैर ही ईडी ने हलफनामा दाखिल किया है, जो गैरकानूनी है।

ईडी ने किया जमानत का विरोध

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीएम केजरीवाल को दी गई जमानत का विरोध करते हुए कहा कि दिल्ली की सीएम

केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना समानता के नियम के विरुद्ध है। कानून में यह संभव नहीं है कि एक छोटे किसान या एक छोटे कारोबारी का काम तो रोक दिया जाए और एक नेता को चुनाव प्रचार की अनुमति प्रदान कर दी जाए।

मणिशंकर ने भारत को चेताया बोले-

पाकिस्तान के पास बम है उसकी इज्जत करो, वरना तबाह कर देगा

लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा ने कहा- तो पाकिस्तान भूगोल से गायब हो जाएगा साहब...

नई दिल्ली।

चुनावी माहौल में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान प्रेम न दिखाएं ये संभव नहीं है। जो लोग सोच रहे थे कि देश में लोकसभा चुनाव चल रहा है और मणिशंकर जी कहीं सुनाई नहीं दे रहे हैं। ऐसे लोगों की हसरत अय्यर ने पाकिस्तान प्रेम दिखाकर पूरी कर दी है। बता दें कि ये वहीं कांग्रेस नेता हैं जो पाकिस्तान जाकर जिन्ना की मजार पर माथा टेककर आए थे। जिसके कारण काफी बवाल हुआ था। एक बार फिर उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत को पाकिस्तान की इज्जत करना चाहिए। क्योंकि उसके पास एटम बम है कहीं दाग दिया तो भारत का क्या होगा। इस पर भाजपा भड़क गई है और सख्त लहजे में कहा है कि यदि ऐसा होता है तो पाकिस्तान भूगोल से गायब हो जाएगा।

भाजपा के फायरब्रांड नेता और बेगूसराय से उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने मणिशंकर अय्यर के बयान पर कहा कि मणिशंकर और राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं, जो पाकिस्तान आज खाने के लिए मोहताज है। अब हिंदुस्तान इतना ताकतवर है, कि कहीं गलती से भी पाकिस्तान ने आंख दिखाने की जुर्रत की तो वो भूगोल में दिखाई नहीं देगा। कांग्रेस आतंकवादी की भाषा बोलती है पाकिस्तान की भाषा बोलता है। वहीं शहजाद पूनावाला ने कहा, 'मणिशंकर अय्यर तो कांग्रेस की आधिकारिक नीति की शुरुआत ही कर रहे हैं। कांग्रेस का पाक प्रेम अब सभी स्तरों को पार कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा आधिकारिक तौर पर राहुल गांधी का समर्थन करने के बाद हाल ही में कांग्रेस द्वारा 26/11 अटैक, पुलवामा अटैक और पुंछ पर क्लीन चिट दी गई। 26/11 के बाद पाकिस्तानी आतंक पर हमला करने के बजाय डॉ. मनमोहन सिंह और सोनियाजी ने पाकिस्तान के लिए मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा सुनिश्चित किया। आज हम मुह तोड़ जवाब देते हैं लेकिन कांग्रेस कहती है कि हमें पाकिस्तान भेजने वाले आतंकवादियों से डरना चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। वही कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों का अपमान करती है और उन्हें सड़क का गुंडा कहती है और सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाती है। मणिशंकर अय्यर तो केवल कांग्रेस की विचारधारा को स्पष्ट कर रहे हैं।

कोई भी पागल वहां आ जाए तो क्या होगा

मणिशंकर अय्यर ने कहा, 'पाकिस्तान भी एक संप्रभु मुल्क है। उनकी भी इज्जत है। उनकी इज्जत को कायम रखते हुए उनसे जितनी कड़ी बात करनी है करो। लेकिन बात तो करो। बंदूक को लेकर आप घूम रहे हो। उससे क्या हल मिला। कुछ नहीं। तनाव बढ़ता जाता है। कोई भी पागल वहां आ जाए तो क्या होगा देश का। उनके पास एटम बम है। हमारे पास भी है। लेकिन किसी पागल ने हमारे बम को लाहौर स्टेशन में छोड़ा तो आठ सेकेंड के अंदर उसकी रेडियो एक्टिविटी अमृतसर पहुंचेगी। आप उसको इस्तेमाल करने को रोको। लेकिन आपने उससे बात की, उसको इज्जत दी तो तभी जाकर वह अपने बम के बारे में नहीं सोचेंगे। मगर आपने उसको ठुकरा दिया तो फिर क्या होगा। दुनिया का विश्व गुरु बनना हो तो यह जरूरी है दिखाने के लिए कि जितना भी खराब हो हमारा समस्या पाकिस्तान के साथ, उसका हल निकालने के लिए हम मेहनत कर रहे है। पिछले दस साल से सारा मेहनत बंद है। मस्कुलर पॉलिसी दिखाने वाले भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान के पास भी कहुटा (रावलपिंडी) में मसल (परमाणु बम) है।

गवाह के मुकर जाने का मतलब ये नहीं कि दोषी को दोषमुक्त कर दिया जाए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए काफी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि आरोपी के खिलाफ दोषसिद्धि सिर्फ इस आधार पर खारिज नहीं हो सकती है कि अभियोजन पक्ष का गवाह मुकर गया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी.आर. गवई की अगुवाई वाली बेंच ने निचलली अदालत और हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। निचली अदालत और हाई कोर्ट से आरोपी को दोषी करार दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोषसिद्धि सिर्फ इस आधार पर खारिज नहीं की जा सकती कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने केस को सपोर्ट नहीं किया और उस गवाह को मुकरा हुआ गवाह घोषित किया गया। यह मामला तमिलनाडु का है। वनियामपड़ी टाउन में 28 जनवरी 2006 को शिकायती लड़की का बयान था कि उसके साथ गैंगरेप हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। लड़की का मैजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज कराया गया। 22 साल की लड़की का बयान था कि 27 जनवरी को वह काम से जब घर लौट रही थी तो कंपनी के मैनेजर ने उसे काम के बहाने बुलाया और अन्य लोगों के साथ मिलकर रेप किया। निचली अदालत ने आरोपी को गैंगरेप में दोषी करार देते हुए 10 साल कैद की सजा सुनाई। हाई कोर्ट ने सजा बरकरार रखा। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। इस मामले पर अदालत ने कहा है कि अभियोजन पक्ष की गवाही में गवाह के मुख्य बयान और उसके साथ होने वाली जिरह में गैप था। ये गवाह आरोपी के प्रभाव में आ गया और वह अपने मुख्य बयान से अलग जाकर जिरह के दौरान बयान दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विक्टिम के बयान, गवाह का मुख्य बयान, गवाह का मैजिस्ट्रेट के सामने दिए बयान और मेडिकल रिकॉर्ड से इस मामले में पर्याप्त सबूत हैं।

मतदान वाली ऊंगली दिखाने पर सिनेमा का टिकट हो जाता है आधा

पटना।

बिहार में लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण पूरा हो गया है। यहां मतदान काफी कम हुआ है। मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए तरह तरह की स्कीमें लाईं जा रही हैं। पटना के जिलाधिकारी ने मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए अनोखी पहल की है। पटना जिला प्रशासन ने यह तय किया है कि वोटरों को सिनेमा हॉल में मूवी टिकटों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट 1 और 2 जून को सभी शो में दी जाएगी। पटना जिला प्रशासन ने यह तय किया है कि कोई भी मतदाता वोट डालने के बाद अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाएंगे तो उन्हें टिकटों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट महज दो दिनों के लिए होगी। बता दें कि इस बड़ी पहल को लेकर पटना के डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने सभी सिनेमा हॉल संचालकों के साथ बैठक की और इस मीटिंग में मूवी टिकटों के दाम में छूट देने का फैसला लिया गया। अब बिहार में 13 मई को चौथे चरण में दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर में तो पांचवें चरण में 20 मई को सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सारण और हाजीपुर में मतदान होना है। इसी तरह छठे चरण के लिए 25 मई को बाल्मीकि नगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान और महाराजगंज में तो सातवें चरण में नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद में वोटिंग होगी।बता दें कि लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में पटना में 1 जून को वोटिंग होगी।

ऐसे में वोट प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। जिला प्रशासन ने यह तय किया है कि वोटरों को सिनेमा के टिकटों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। ये छूट 1 और 2 जून को सभी शो में दिया जाएगा। इसको लेकर सभी लोगों में काफी खुशी की लहर है। हालांकि, लोगों के सामने इसके लिए एक शर्त भी रखी गई है।

अब दिल्ली की सात सीटों पर 162 उम्मीदवार ही मैदान में

-नामांकन पत्रों में से त्रुटियों के चलते 129 फॉर्म रद्द

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में नामांकन वापस लेने के बाद अब दिल्ली की सात सीटों पर 162 उम्मीदवार ही मैदान में रह गए हैं। चांदनी चौक से 25, नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली सीट से 28, ईस्ट दिल्ली सीट से 20, नई दिल्ली सीट से 17, नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली सीट से 26, वेस्ट दिल्ली सीट से 24 और साउथ दिल्ली सीट से 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 28 उम्मीदवार नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली सीट पर हैं। पिछले चुनाव साल 2019 में सबसे ज्यादा 27-27 उम्मीदवार नई दिल्ली और साउथ दिल्ली सीट से चुनाव लड़े थे । दिल्ली निर्वाचन आयोग के अफसरों के अनुसार नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 29 अप्रैल से 6 मई तक चली। इस दौरान 265 लोगों ने कुल 367 नामांकन फॉर्म दाखिल किए। स्क्रूटनी के दौरान 367 नामांकन पत्रों में से त्रुटियों के चलते 129 फॉर्म रद्द कर दिए गए। 238 नामांकन फॉर्म ही स्वीकार किए गए। कुछ फॉर्म डुप्लीकेसी और कुछ डम्मी उम्मीदवार के नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। छह लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। नामांकन वापस लेने वालों में चांदनी चौक, नॉर्थ-ईस्ट और ईस्ट दिल्ली और नॉर्थ-वेस्ट सीट से एक-एक उम्मीदवार और साउथ दिल्ली सीट से दो उम्मीदवार हैं। अब, सभी सात सीटों के लिए कुल 162 उम्मीदवार बचे हैं, जो साल 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में एक कम है।

किस लोकसभा क्षेत्र से कितने प्रत्याशी

लोकसभा क्षेत्र	2014	2019
चांदनी चौक	25	26
नॉर्थ-ईस्ट	28	24
ईस्ट दिल्ली	20	26
नई दिल्ली	17	27
नॉर्थ-वेस्ट	26	11
वेस्ट दिल्ली	24	23
साउथ दिल्ली	22	27

हथियारों का सौदा करने वाला लारेंस विश्वनोई ग्रुप का सदस्य गिरफ्तार

गोरखपुर।

लारेंस विश्नोई ग्रुप को हथियार सप्लाई करने वाले बदमाश मनीष यादव को हरियाणा व यूपी एसटीएफ की टीम ने बरगदवा चौराहे पर गिरफ्तार किया। मनीष पर एक साल पहले आर्म एक्ट के मुकदमे दर्ज होने के बाद पुलिस को इसकी तलाश थी। अप्रैल 2023 में अंबाला के रहने वाले मखन सिंह लबाना से लारेंस विश्नोई के चचेरे भाई अनमोल ने 50 लाख रुपये रंगदारी मांगी थी। रुपये न मिलने पर उसके घर फायरिंग करवाई थी। घटना जब हुई उस समय अनमोल विदेश में था। मुकदमा दर्ज कर अंबाला पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि विक्की लाला के जरिए गोरखपुर के सिंघड़िया में रहने वाले शशांक पांडेय व बरगदवा के मनीष यादव ने लारेंस विश्नोई ग्रुप को असलहा सप्लाई किया था, दोनों इस गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। बता दें कि मनीष यादव के विरुद्ध वर्ष 2019 में गोरखनाथ थाने में बलवा, तोड़फोड़, बंधक बनाने का मुकदमा दर्ज हुआ था।इसके बाद वह रोजगार की तलाश में हरियाणा गया जहां लारेंस बिश्नोई ग्रुप से जुड़ने के बाद असलहा की सप्लाई करने लगा। 2023 में उसके विरुद्ध कुरुक्षेत्र के शाहाबाद थाने में आर्म एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ।एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि लारेंस बिश्नोई ग्रुप को असलहा सप्लाई करने वाले मनीष यादव को हरियाणा एसटीएफ व गोरखपुर एसटीएफ की टीम ने गुरुवार को गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड पर देर शाम बदमाश को टीम अपने साथ अंबाला लेकर चली गई। अंबाला पुलिस ने शशांक पांडेय व उसके अन्य साथियों को असलहे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मनीष यादव की तब से तलाश चल रही थी। गुरुवार को उसकी लोकेशन बरगदवा में मिलने पर हरियाणा एसटीएफ के अधिकारियों ने गोरखपुर एसटीएफ से संपर्क किया।टीम के साथ घेराबंदी कर बरगदवा चौराहे के पास दबोच लिया। चिलुआताल थाने में दाखिल करने के बाद मनीष को हरियाणा एसटीएफ की टीम ने कोर्ट में पेश किया जहां से ट्रांजिट रिमांड पर अंबाला ले गई।मनीष यादव ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया कि विक्की लाला अंबाला जेल में बंद था जहां सिघड़िया के रहने वाले शशांक पांडेय से उसकी मुलाकात हुई। जमानत पर छूटने के बाद शशांक भी ग्रुप से जुड़ गया।

घर-घर जाकर मतदाताओं की कुंडी खटखटाएगी भाजपा

लखनऊ।

लोकसभा चुनाव में हो रहे कम मतदान को लेकर भाजपा चिंतित है। वोटरों को घर से निकालने के लिए भाजपा ने योजना तैयार की है। उत्तर प्रदेश में पहले तीन चरणों के चुनाव में कम मतदान से चिंतित भाजपा का पूरा जोर वोटरों को घर से निकालने पर है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हर एक वोट को महत्वपूर्ण बताते हुए घर-घर कुंडी खटखटाने का टास्क पार्टी कार्यकर्ताओं को सौंपा है। प्रदेश मुख्यालय पर विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों के साथ पांचवें चरण की लोकसभा सीटों की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमें किसी भी वोटर को नजरअंदाज नहीं करना है, हर वोटर से तीन से चार बार संपर्क करें। पांचवें चरण में मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा सीटों पर मतदान 20 मई को होना है। जेपी नड्डा ने इस मौके पर लखनऊ क्लस्टर के तहत लोकसभा क्षेत्र लखनऊ, उन्नाव, मोहनलालगंज एवं रायबरेली के लोकसभा संयोजक, प्रभारी, विधानसभा संयोजक एवं प्रभारी, जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों की भी अलग से बैठक की।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान की समीक्षा के दौरान बूथ प्रबंधन पर विशेष जोर दिया और पन्ना प्रमुख की जवाबदेही तय की।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों को दिए अरावली में अवैध खनन की अनुमति न देने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की रक्षा के मद्देनजर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात को अगले आदेश तक पहाड़ी क्षेत्र में खनन गतिविधियों के लिए अंतिम अनुमति नहीं देने के निर्देश दिए हैं। युगल पीठ ने कहा कि उसके आदेश को किसी भी तरह से वैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के रूप में नहीं माना जाएगा जो पहले से ही वैध परमिट और लाइसेंस के तहत की जा रही है। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ए.एस. ओका की पीठ ने कहा कि यह आदेश दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात, जिनसे होकर पहाड़ी श्रृंखला गुजरती को लेकर यह पारित कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि अगले आदेश तक वे सभी राज्य जहां अरावली पर्वत श्रृंखला है, खनन पट्टों के अनुदान के लिए आवेदन पर विचार और उनके नवीनीकरण के लिए स्वतंत्र होंगे, लेकिन एफएसआई रिपोर्ट में जैसा परिभाषित है, उसके अनुसार अरावली पहाड़ियों में खनन के लिए कोई अंतिम अनुमति नहीं दी जाएगी।

मनी लॉन्ड्रिंग में अब्बास अंसारी की जमानत याचिका खारिज

लखनऊ। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के मामले में मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया में मामला पैसे के लेनदेन से जुड़ा लग रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों के तहत कोर्ट प्रथम दृष्टया इससे संतुष्ट नहीं है कि अभियुक्त इस मामले में निर्दोष है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने अब्बास की अर्जी खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया है। अब्बास अंसारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि यदि उक्त दोनों फर्म मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल भी हैं तो भी इनसे अभियुक्त का सीधे कोई सम्बंध नहीं है। ईडी की ओर से जमानत का विरोध करते हुए दलील दी गई कि उक्त दोनों ही फर्म के खातों से अब्बास अंसारी के खातों में पैसे आते थे और पैसे वह अपने व्यक्तिगत खर्चों के तौर पर इस्तेमाल करता था।यह भी दलील दी गई कि अभियुक्त ने शुरूआत में विवेचना में तब तक सहयोग नहीं किया जब तक उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस नहीं जारी हो गया।

बीजेपी ही नहीं अब समाजवादी पार्टी भी दलित वोटरों को लुभाने में जुटी

-बसपा सुप्रीमो मायावती बोलीं-सपा घोर दलित विरोध पार्टी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव का महाकुंभ जारी है इसमें तीन चरण के मतदान हो चुके हैं। चौथे चरण के मतदान के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां वोटरों को लुभाने की पूरी कोशिश में जुटी हैं। ज्यादातर पार्टियां दलित वोटरों को अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रही हैं अभी तक भाजपा ही दलित वोटरों को लुभाने में लगी थी। अब सपा ने भी दलित वोट पर डोरे डालने शुरू कर दिए हैं। यही वजह है कि अखिलेश यादव ने मायावती के परंपरागत वोट बैंक पर टिप्पणी की तो मायावती नाराज हो गईं। उन्होंने सपा को घोर दलित विरोधी करार दे दिया। लोकसभा चुनाव में उत्तरप्रदेश में दलित वोटरों को अपनी ओर खींचने में अब बसपा, इंडियन गठबंठन और एनडीए के बीच लड़ाई जंग तेज हो चुकी है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा हैं कि क्या है इस जंग की वजह? क्या तीन दशक से बसपा के साथ खड़ा दलित वोट बैंक अब बसपा से दूर हो रहा है और उस पर कब्जेदारी की लड़ाई शुरू हो चुकी है? दलित वोट बसपा का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। बसपा ने 1993 में सपा के साथ मिलकर उत्तरप्रदेश में पहली बार सरकार बनाई और मायावती उत्तरप्रदेश की पहली सीएम बनीं। तभी से दलित बसपा का मजबूत वोट बैंक है। बसपा ने 2007 में 206 सीट लाकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। तब बसपा को 30.43फीसदी वोट मिले थे। उसके बाद से उसका जनाधार गिरता गया। 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा 80 सीटें जीत सकी और वोट गिरकर 25.91फीसदी रह गया। बसपा की गिरती साख को लेकर ही यह बात उठ रही है कि दलित वोट भी उससे खिसक रहा है। प्रदेश में दलित आबादी 20फीसदी से ज्यादा है। ऐसे में 13फीसदी से भी कम वोट मिलना यह बताता है कि दलित वोटों का एक हिस्सा छिटका है। बीजेपी पहले से इस वोट बैंक पर नजर लगाए हुए है। अखिलेश यादव भी प्रयास कर रहे हैं कि इस बार दलित वोट बैंक और खिसकता है तो वह उनके पाले में आ जाए। घटते जनाधार और दलित वोट बैंक पर जंग के साथ ही बसपा के लिए और भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। बसपा में अब खुद मायावती ही इकलौता बड़ा चेहरा हैं। एक समय में बसपा के पास कई बड़े चेहरे थे वह अब नहीं हैं। अब आकाश आनंद को चेहरे के तौर पर पेश किया गया तो कुछ उम्मीद बढ़ी थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के बीच में ही उनको हटाए जाने से एक बड़ा झटका लगा है।

जयशंकर ने दिया दो-टूक जवाब बोले-

मालदीव को भारत का अहसान नहीं भूलना चाहिए

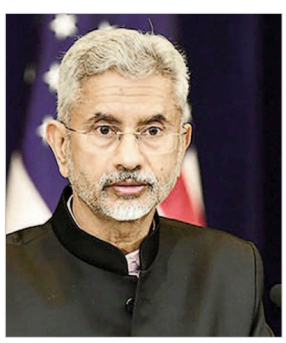

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। वहीं, एस जयशंकर ने मालदीव पर भारत की ओर से किए गए अहसान का भी याद दिलाया। विदेश मंत्री ने कहा कि मालदीव के विकास में भारत ने अहम योगदान निभाया है। हमारे देश के परियोजनाओं ने मालदीव के लोगों के जीवन को लाभान्वित किया है। भारत की वजह से मालदीव के जीवन की गुणवत्ता बढ़ी है। पिछले कुछ दिनों पहले मालवदीव के विदेश मंत्री ज़मीर ने कहा था कि जो हुआ, वह सरकार का विचार नहीं है और हमारा मानना है कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। वहीं, भारत ने भी पड़ोसी मुल्क के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। इसका मतलब है कि भारत विरोधी बयान देने वाले मालदीव के नेताओं को अपनी गलती का अहसास होने लगा है।

भारत दौरे पर आए मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों देशों के रिश्तों के बेहतर बनाने के लिए प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। एस जयशंकर ने कहा कि जहां तक भारत का सवाल है, हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर नीति के तहत यह बैठक दोनों देशों के संबंध को बेहतर बनाएगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में आगे कहा,दुनिया आज एक अस्थिर और अनिश्चित दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में, जैसा कि हमने कोविड के दौरान देखा, प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक कठिनाइयों के दौरान, पड़ोसियों के साथ घनिष्ठ साझेदारी बहुत मूल्यवान है।इस साल के जनवरी महीने में पीएम नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप का दौरा किया था। उन्होंने वहां कुछ वक्त गुजारा और इस द्वीप पर बिताए कुछ पलों को उन्होंने दुनिया से साझा किया। इसके बाद कई लोगों ने लक्षद्वीप की खूबसूरती की तुलना मालदीव से किया। यह बात मालदीव सराकर के कुछ मंत्रियों को बुरी लगी। उन्होंने भारत विरोधी टिप्पणी की।मालदीव के युवा अधिकारिता, सूचना और कला मंत्रालय में डिप्टी मंत्री मरियम शिउना ने पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। सांसद जाहिद रमीज सहित मालदीव के अन्य अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों के वायरल होने के बाद पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा का मजाक उड़ाया। मालदीव के नताओं के ऐसे बयानबाजी की वजह से दोनों के रिश्तों में खटास पैदा हो गई।

बेटी की ख्वाहिश कुल 6 बेटे पैदा कर दिए महिला ने

-आखिर बनी दो बच्चियों की मां

नई दिल्ली ।

एक विदेशी महिला ने अपनी एक बेटी की ख्वाहिश को पूरी करने के लिए एक के बाद एक कुल 6 बेटे पैदा कर दिए। अंत में महिला दो बच्चियों की मां बनीं । दरअसल, महिला बेटियों की चाहत रखती थी। ऐसे में वो फिर से दो बार प्रेग्नेंट हुई और दोनों ही बार बेटियों को जन्म दिया। इस तरह से कुल 8 बच्चों को जन्म देने के बाद महिला अब अपने फैमिली को कम्प्लिट मानती है। अमेरिका के टेनिसी की रहने वाली एरियल टायसन ने इंस्टाग्राम पर अपनी फैमिली का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उनके पति माइकल टायसन और बच्चे भी नजर आ रहे हैं। वीडियो के जरिए माइकल ने बताया है कि मेरी पत्नी को बेटियां ज्यादा पसंद हैं। लेकिन एक के बाद एक कुल 6 बेटों ने जन्म लिया। ऐसे में महिला ने आगे भी प्रेग्नेंट होने का फैसला किया।इस तरह से 6 बच्चों के बाद महिला 2 बार और प्रेग्नेंट हुई। दोनों ही बार बेटियों का जन्म हुआ। इस तरह से इस जोड़े के कुल 8 बच्चे हैं। सोशल मीडिया पर एरियल टायसन और उनके पति आए दिन अपने बच्चों के वीडियोज और तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। एरियल द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो को 2 करोड़ 41 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है, जबकि 3 लाख 67 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है।

वहीं, 5 हजार से ज्यादा कमेंट्स आए हैं। कुछ लोग इनके फैसले का सपोर्ट कर रहे हैं तो कुछ लोग मजाक उड़ा रहे हैं।एक यूजर ने कमेंट में लिखा है कि ये शख्स अपनी टीम बनाने में लगा हुआ है। दूसरे यूजर ने लिखा है कि जब तक वे अपने बच्चों का खर्च उठा सकते हैं और उन्हें वो सबकुछ दे सकते हैं जिसकी उन्हें जरूरत है, तो चिंता की क्या बात हैज उनकी मर्जी है कि वो जितने बच्चे चाहें, पैदा करें। तीसरे यूजर ने लिखा है कि यह कितना गैर-जिम्मेदाराना है, अब हम 21वीं सदी में हैं, न कि 50 के दशक में, जब लोग जितने मर्जी उतने बच्चे पैदा करते थे।

हम भारत के लोकसभा चुनावों में बिलकुल भी शामिल नहीं : अमेरिका

-रूस ने लगाया था आरोप अमेरिका भारत के चुनावों में कर रहा हस्तक्षेप

वाशिंगटन। हम भारत के लोकसभा चुनावों में बिलकुल भी शामिल नहीं है, क्योंकि हम दुनिया में कहीं भी चुनावों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह बात अमेरिकी प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कही। चुनाव पर फैसला भारत को लेना है। मिलर रूस के उन आरोपों पर जवाब दे रहे थे, जिसमें रूसी विदेश मंत्रालय ने दावा किया था कि अमेरिका भारत के चुनावों में हस्तक्षेप कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने भारत और अन्य देशों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के संबंध निराधार आरोप लगाने को लेकर भी अमेरिका की आलोचना की थी। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने भी एक साक्षात्कार में कहा था कि विदेशों से चुनाव में हस्तक्षेप की कोशिश हो रही है लेकिन वे सफल नहीं होंगे। हालांकि, पीएम मोदी ने किसी देश का नाम नहीं लिया था। एक रिपोर्ट में अमेरिका में रह रहे खालिस्तानी अलगावादी पन्नू की हत्या की साजिश रचने में भारतीय खुफिया एजेंसी के अधिकारी का नाम लिया था। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जखारोवा ने कहा था कि नई दिल्ली के खिलाफ नियमित निराधार आरोप, अमेरिका की राष्ट्रीय मानसिकता के साथ ही भारतीय राज्य के विकास के ऐतिहासिक संदर्भ में गलतफहमी और एक देश के रूप में भारत का अनादर दिखाता है। यही कारण है कि अमेरिका भारत में चल रहे लोकसभा चुनावों को जटिल बनाने के लिए आंतरिक राजनीतिक स्थिति को असंतुलित करने का प्रयास करते हैं। यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। जखारोवा ने कहा कि हम देखते हैं कि अमेरिका न केवल भारत बल्कि कई दूसरे देशों पर भी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने का आधारहीन आरोप लगाता है। वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने पन्नू के खिलाफ कथित साजिश को लेकर पूछे गए सवाल पर जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह एक सार्वजनिक रूप से लगाया गया अभियोग है, जिसमें कथित तथ्य शामिल हैं। जब तक जूरी के सामने साबित नहीं हो जाते वे तब तक आरोप हैं। कोई भी इसे पढ़ सकता है। मिलर ने कहा कि वह इस बारे में बात नहीं करेंगे क्योंकि यह एक कानूनी मामला है और इसे उसी पर छोड़ देना चाहिए।

कतर के बाद भारत को फिर मिली कामयाबी ईरान ने 5 भारतीयों को छोड़ा

तेहरान। भारत को अपनी कूटनीति में एक बार फिर कामयाबी मिली है। इजरायल से जुड़े पुर्तगाल के मालवाहक पोत पर सवार 5 भारतीयों को ईरान ने छोड़ दिया है। नई दिल्ली की ओर से भारतीयों की रिहाई को लेकर लगातार कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे थे। अब तेहरान ने 5 भारतीयों को छोड़ दिया है। ईरान में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बता दें इससे पहले कतर से इंडियन नेवी के 8 पूर्व जवानों को सकुशल स्वदेश वापसी के बाद भारत को एक और बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली थी। पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि मुक्त किए गए लोगों में 5 भारतीय समेत एक फिलिपींस का नागरिक और एक एस्टोनियाई नागरिक शामिल है। इस कंटेनर जहाज का इजरायल के साथ संबंध होने के कारण ईरान ने इसे जब्त किया था। पुर्तगाल ने जब्त किए गए जहाज से चालक दल के सात सदस्यों की रिहाई का स्वागत किया है। पुर्तगाल ने अब बचे हुए 17 चालक दल के सदस्यों की तत्काल रिहाई की मांग की है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नेवी ने 13 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब कंटेनर जहाज एमएससी एरीज को कब्जे में ले लिया था। इसमें 17 भारतीय नागरिक सवार थे। जहाज आखिरी बार 12 अप्रैल को दुबई के तट से दूर होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर जाते हुए देखा गया था। इजरायल और ईरान के बीच बढ़े हुए संघर्ष के दौरान जहाज को कब्जे में लिया गया था। जहाज जब्त करने के बाद ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'यह निश्चित है कि यह जहाज यहूदी शासन से जुड़ा है।' जहाज पर सवार भारतीय क्रू मेंबर को रिलीज करने की मांग भारत ने उठाई थी। 14 अप्रैल को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन के साथ भारतीय क्रू मेंबर की रिहाई पर चर्चा की थी। डॉ. जयशंकर ने चालक दल की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए ईरान से सहायता मांगी थी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा था कि भारतीय अधिकारियों को चालक दल से मिलने की इजाजत दी जाएगी। इस जहाज पर भारतीय क्रू मेंबर के साथ चार फिलिपींस के नागरिक, दो पाकिस्तानी, एक रूसी और एक एस्टोनियाई शामिल थे।

किशोरी को 10 नाबालिग लड़कों ने जंगल में बुलाकर किया गैंगरेप

ब्रूशेल्स। यहां एक गैंगरेप के मामले ने पूरे देश को हिला दिया है। 14 साल की किशोरी लड़की को 10 नाबालिग लड़कों ने लालच देकर जंगल में बुलाया और बारी बारी से रेप किया। आरोपी में सबसे कम उम्र का लडका 11 साल का है। 10 में से 6 आरोपी पास के ही एक इंस्टिट्यूट में पढ़ाई करते थे। वहीं चार को नजरबंद करके रखा गया था। रिपोर्ट में बताया गया, सभी आरोपी नाबालिग हैं और इसमें सबसे छोटा 11 साल का है। ऐसे में उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी जा सकती। हालांकि सभी आरोपियों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल ज्यादा ध्यान पीड़िता पर देने की जरूरत है। उसकी काउंसलिंग की जा रही है। घटना वेस्ट फ्लैंडर्स प्रांत की है। घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। रिपोर्ट के मुताबिक एक लड़के ने लड़की को लालच देकर इलाके के पास के जंगल में बुलाया। वहां पहले से ही आरोपी के अन्य साथी मौजूद थे। बताया गया कि ईस्टर की छुट्टियों के दौरान चार दिन में ही तीन बार लड़की के साथ रेप किया गया। इसी तरह का केस तीन साल पहले भी बेल्जियम में सामने आया था। इसके बाद फ्लेमिश पार्ल्यामेंट में भी इस मामले को लेकर चर्चा भी हुई थी। यौन उत्पीड़न के मामलों में सजा को लेकर सख्त कानून बनाने की मांग की गई थी। प्रस्ताव लाया गया था कि 14 साल से कम के आरोपियों की हिरासत को बढ़ाकर दो साल कर दिया जाए। 14 से 16 वालों के लिए पांच साल और 16 से ऊपर वालों के लिए सात साल की कैद का प्रावधान किया जाए।

गाजा पट्टी के शहर रफा में अपना अभियान जारी रखेगा इजरायल

यरुशलम। मिस्र के काहिरा में इजरायल-हमास संघर्ष विराम वार्ता विफल होने के बाद इजरायली सेना दक्षिणी गाजा पट्टी के शहर रफा में अपना अभियान जारी रखेगी। एक इजरायली अधिकारी ने मीडिया को ये जानकारी दी। एक समाचार एजेंसी ने बताया कि रफा के साथ सीमा पर बड़े पैमाने पर इजरायली सैनिकों की तैनाती की गई है। एक इजरायली अधिकारी ने पुष्टि की कि काहिरा में वार्ता विफल होने के बाद इजरायली प्रतिनिधिमंडल काहिरा छोड़ चुका है। अधिकारी ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि क्या इजरायल गाजा के दक्षिणी छोर पर रफा में और अधिक क्षेत्रों में आक्रमण का विस्तार करेगा, जहां लगभग 1.2 मिलियन आंतरिक रूप से विस्थापित फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी की खबर के अनुसार, रफा पर इजराइल के जारी जमीनी हमले के कारण वार्ता रोक दी गई है। रफा शहर पर हमले गहराने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि इजरायल को हथियारों की सप्लाई रोक दी जाएगी। इस पर टिप्पणी करते हुए इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसके पास गाजा में अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार हैं। आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने एक बयान में कहा ?कि आईडीएफ के पास उन ऑपरेशनों के लिए हथियार हैं जिनकी वह योजना बना रहा है, रफा में ऑपरेशन के लिए भी। उन्होंने जोर देकर कहा ?कि हमें जो चाहिए वो हमारे पास है।

मालदीव से लौटे सभी भारतीय सैनिक, विदेश मंत्री के भारत दौरे के बाद घोषणा

माले/ नई दिल्ली। मालदीव ने भारत के सभी सैनिकों को निकाल दिया है। ये सभी भारत लौट चुके हैं। गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मालदीव से हमारे सभी सैनिक भारत लौट चुके हैं। हम इस मुद्दे पर काफी समय से मालदीव से बात कर रहे थे।

स्वीडन में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान चलाने वाली ग्रेटा थेनबर्ग यूरोविजन सोंग कंटेस्ट में अपने समर्थकों के साथ इजरायल की भागीदारी का विरोध करते हुए।

नासा के वैज्ञानिक का दावा... इन ग्रहों में हो सकती है एलियंस की मौजूदगी

वाशिंगटन। एलियंस की मौजूदगी को लेकर तरह-तरह के दावे हो रहते हैं। कभी उनके यान को देखने की बात सामने आती है, कभी उनके धरती पर उतरने की। लेकिन कोई भी पुख्ता तौर पर ये नहीं कह सकता है कि एलियंस का अस्तित्व है भी या नहीं। मगर अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिक ने इनके बारे में सनसनीखेज खुलासा किया है। उनके मुताबिक, एलियंस शायद उस जगह हो सकते हैं, जहां कभी सूर्य नहीं उगता। या ऐसी जगह, जहां गर्म लावा फैल रहा हो। नासा वैज्ञानिक रहीं डॉ.लिसा काल्टेनेगे ने अपनी लिखी किताब में इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा, हमने 1992 में पहले ग्रह की तलाश की थी। तब से 5000 से ज्यादा एक्सोप्लैनेट की तलाश की जा चुकी है। इसमें से 70 ग्रह हैं, जहां जीवन की मौजूदगी लायक चीजें मौजूद हैं। हालांकि, इनमें से कुछ 17,000 प्रकाशवर्ष हैं। यानी इतनी दूर कि अगर मानव निर्मित सबसे तेज रॉकेट सभी कोई जाए तब पहुंचने में 69 लाख वर्ष लग जाएंगे। इसके बावजूद, उस जगह पर एलियंस की पहचान मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। डॉ. लिसा ने कहा, एलियंस की तलाश काफी कठिन है। क्योंकि ऐसा भी हो सकता है कि जब वे हमारे सामने हों और हमें घूर रहे हों, तब भी हम उन्हें पहचान न पाएं। एक रिपोर्ट के अनुसार 29 एक्सोप्लैनेट हैं, जहां जीवन होने की संभावना काफी ज्यादा है। ये धरती की तरह ही हैं। लेकिन प्रॉक्सिमा सेंटॉरी ऐसी जगह है, जहां एलियंस हो सकते हैं। धरती से 4.25 प्रकाश वर्ष दूर स्थिति इस जगह पर सूर्य कभी अस्त नहीं होता, कभी उगता नहीं। यह किसी के रहने लायक सबसे अच्छी दुनिया हो सकती है। दूसरी जगह, कोरोट-7 बी एक्सोप्लैनेट हो सकता है। यह पृथ्वी से 489 प्रकाश वर्ष दूर है, लेकिन इससे हमेशा गर्म लावा टपकता रहता है। इंसानों के लिहाज से यह काफी कष्टकारी जगह होगा, जहां जीवन की संभावना न के बराबर है।

नेतन्याहू ने अमेरिका से कहा- हथियार खत्म होने के बाद भी नाखूनों से दुश्मनों को नोंच डालेंगे इजराइली सैनिक

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास का नामोनिशान मिटाने पर तुला इजराइल किसी की बात मानने को तैयार नहीं है। इसी से नाराज अमेरिका ने इजराइल से कहा कि अमेरिका इजराइल को हथियार नहीं देगा। इस पर नेतन्याहू ने साफ कहा कि हमारे पास हथियार खत्म हो जाएंगे तो भी हमारे सैनिक दुश्मनों को नाखूनों से नोंच नोंच कर खत्म कर देंगे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हथियार खत्म हुए तो एक-एक इजरायली दुश्मनों को नाखूनों से नोचेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल हार नहीं मानेगा और अकेले खड़ा रहेगा। इजरायल प्रधानमंत्री जो बाइडन के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अगर इजरायल राफा में आबादी वाले इलाकों में अपना सैन्य अभियान शुरू करता है तो अमेरिका हथियारों की आपूर्ति रोक देगा। इजरायल राफा पर हमले की तैयारी कर रहा है, जो गाजा में हमास का आखिरी बचा गढ़ है। यहां पर 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी मौजूद हैं।

नेतन्याहू ने कहा, अगर हमें अकेले खड़ा होना पड़ा तो हम अकेले खड़े होंगे। अगर हमें जरूरत पड़ी तो हम अपने नाखूनों से लड़ेंगे, लेकिन हमारे पास नाखूनों से ज्यादा है और एकता की ताकत व ईश्वर की मदद से हम जीतेंगे। नेतन्याहू ने इस दौरान इजरायल की आजादी लड़ाई को याद करते हुए 1948 के युद्ध का जिक्र किया और कहा, हमारे पास हथियार नहीं थे। इजरायल पर हथियारों का प्रतिबंध था, लेकिन बीच भावना, वीरता और एकता की महान शक्ति के हम विजयी हुए।

हालांकि, अमेरिकी टॉक शो के प्रस्तोता फिल मैकग्रा के साथ इंटरव्यू में नेतन्याहू ने बाइडन के प्रति नरमी बरती। उन्होंने कहा, हमारे बीच अक्सर समझौते होते थे, लेकिन हमारी असहमति भी होती थी। मुझे उम्मीद है कि हम उन पर काबू पा सकते हैं, लेकिन अपने देश की रक्षा के लिए हमें जो करना होगा हम करेंगे। कोई भी दबाव हमें इजरायल की रक्षा करने से नहीं रोक सकता। अमेरिका से हथियारों के मामले पर नेतन्याहू को वार कैबिनेट में शामिल बेनी गैंट्ज और रक्षा मंत्री यॉव गैलेंट का भी समर्थन मिला है।

इजराइल राफा में घुसा तो हथियार नहीं देंगे : बाइडेन

वाशिंगटन। बाइडेन ने नेतन्याहू को चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिक राफा में घुसे तो वे इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। बाइडेन ने कहा है कि इजराइल को राफा में मिलिट्री ऑपरेशन और अमेरिकी हथियारों के बीच किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका अब तक इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की एक खेप को रोक चुका है। 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप इजराइल भेजी जानी थी। जिसे पिछले हफ्ते रोक दिया गया। पिछले 7 महीनों से जारी जंग के बीच ऐसा पहली बार हुआ। बाइडेन ने माना कि अमेरिका के हथियारों से गाजा में आम नागरिकों की मौत हुई है। अमेरिका का मानना है कि इजराइल अमेरिका से मिलने वाले बमों का इस्तेमाल राफा के रिहायशी इलाकों में हमलों के लिए कर सकता है। जबकि अमेरिका नहीं चाहता की इजराइल राफा मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दें।

अमेरिका और फिलीपींस ने किया युद्धाभ्यास, चीन को लगी मिर्ची

-फिलीपींस और चीन के बीच कुछ समय से तनातनी चल रही है

मनीला (एजेंसी)। अमेरिका और फिलीपींस के सैनिकों ने जेवलिन मिसाइलें लॉन्च कीं और हॉवित्जर तोपों से अभ्यास शुरू किया है। दक्षिण चीन सागर के तट पर फिलीपींस ने इस आक्रामक अभ्यास से ड्रेगन को दिखा दिया कि वह किसी भी समुद्री आक्रमण को विफल कर सकता है। यह अभ्यास उत्तरी इलोकोस प्रांत के तटीय शहर लाओआग के तटों पर किया गया, फिलीपींस का ये हिस्सा चीन के सबसे नजदीक है। विशेषज्ञों का माना है कि इस अभ्यास के जरिए अमेरिका ने चीन को संदेश दिया गया है कि ताइवान या फिलीपींस में उसकी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। चीन ने इस पर आपत्ति जताई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के जहाजों और चीन के बीच बीते कुछ समय से तनातनी बढ़ी हुई है। चीन अपनी नौ-डैश लाइन के तहत लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जिसे 2016 में एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने खारिज कर दिया था। युद्ध अभ्यास के कुछ हिस्से फिलीपींस की 19 किमी क्षेत्रीय सीमा के बाहर और मनीला के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर भी पानी में आयोजित किए गए, जो करीब 370 किमी तक फैला हुआ है।

इस अभ्यास में नए अमेरिकी हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया जिन्हें संघर्ष के दौरान फिलीपींस में तैनात किया जा सकता है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में पहली बार अमेरिकी सेना ने एक नया मध्य दूरी का मिसाइल लांचर तैनात किया, जिसे टायफॉन कहा जाता है। ये उत्तरी फिलीपींस से दक्षिण चीन सागर और मुख्य भूमि चीन में चीनी ठिकानों और ताइवान में लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम है। सिंगापुर में एस राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के एक वरिष्ठ फेलो कोलिन कोह ने कहा कि अमेरिका और फिलीपींस की सेनाओं ने दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्रों के करीब, पालावान के पश्चिमी द्वीप पर हिमारस मिसाइल प्रणाली को उतारने के लिए एक होवरक्राफ्ट का भी उपयोग किया।

रुस का सनसनीखेज दावा... भारत के चुनाव में अमेरिका का दखल

-खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू के मामले में भारत के साथ रुस

मास्को (एजेंसी)। भारत में चल रहे लोकसभा चुनाव के बीच रूस ने सनसनीखेज दावा किया है। रूस ने दावा कर कहा हैं कि अमेरिका भारत के चुनावों में दखल देने की कोशिश कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने आरोप लगाया कि अमेरिका भारत में आंतरिक राजनीतिक स्थिति को असंतुलित करने और आम चुनावों को जटिल बनाने की कोशिश कर रहा है। इतना ही नहीं, रूस ने पन्नू केस में अमेरिका को फटकार लगाकर भारत का साथ देकर कहा कि अमेरिका ने अभी तक आरोपों पर एक भी सबूत पेश नहीं किया। रुसी प्रवक्ता जखारोवा ने कहा, 'वॉशिंगटन में भारत की राष्ट्रीय मानसिकता और इतिहास की सरल समझ का अभाव है, क्योंकि अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में निराधार आरोप लगाता रहा है। वॉशिंगटन की कार्रवाई स्पष्ट रूप से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। जहां तक अटकलों का सवाल है, चूंकि कोई सबूत नहीं है, इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। अमेरिका एक देश के रूप में भारत का सम्मान नहीं कर रहा है। वहीं, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोप पर रूस ने भारत का साथ दिया है। रूस ने पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता के अमेरिका के दावों को खारिज कर कहा कि वाशिंगटन ने अब तक कोई विश्वसनीय जानकारी या सबूत इस मामले में नहीं दिया है, जिससे यह साबित हो सके कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में भारत किसी भी तरह से संलिप्त था।

पाकिस्तान में सेना और पीटीआई के बीच विवाद जारी

- पीटीआई और सैन्य प्रतिष्ठान दोनों 9 मई को काला दिन के रूप में मनाते हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया था। उस बात को गुरुवार 9 मई को एक साल पूरा हो गया, जब हिंसा, दंगे, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले और प्रतिरोध का आह्वान एक ऐसी कहानी है, जिसे खान ने अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से अपने समर्थकों में सफलतापूर्वक इंजेक्ट किया। पीटीआई और सैन्य प्रतिष्ठान दोनों एक-दूसरे को पीड़ित और हमलावर बताकर 9 मई को काला दिन के रूप में मनाते हैं। सत्तारूढ़ संघीय सरकार अपने गठबंधन के राजनीतिक सहयोगियों के साथ, जो सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब में प्रांतीय व्यवस्था को नियंत्रित करते हैं, देश भर में पिछले साल संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमलों को अंजाम देने वाले समर्थकों का ब्रेनवॉश करने के लिए पीटीआई और इमरान खान की निंदा करते हैं। सैन्य प्रतिष्ठान भी इस मुद्दे पर मुखर है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के सशस्त्र बल, चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) और सेवा प्रमुखों के साथ 9 मई, 2023 को किए गए आपराधिक कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं। यह हमारे राष्ट्रीय इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है। उपद्रवियों ने विद्रोह की कार्रवाई में जानबूझकर राज्य संस्थानों के खिलाफ हिंसा का सहारा लिया और राज्य के पवित्र प्रतीकों और राष्ट्रीय विरासत से संबंधित स्थलों को नुकसान पहुंचाया। सैन्य प्रतिष्ठान का कहना है कि उसने सुनियोजित हिंसा के दौरान अत्यधिक संयम दिखाया, जिससे यह उजागर हुआ कि प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र बलों के बीच टकराव पैदा करने के दुर्भावनापूर्ण प्रयास को विफल कर दिया गया। आईएसपीआर ने साफ कर दिया है कि दंगों और हमलों के पीछे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। आईएसपीआर के एक बयान में कहा गया है ?कि यही कारण है कि 9 मई की त्रासदी के योजनाकारों, सूत्रधारों और निष्पादकों के साथ न तो कोई समझौता किया जा सकता है और न ही उन्हें देश के कानून के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति दी जाएगी। वास्तविक दोषियों को न्याय के कटघरे में लाना यह सुनिश्चित करने के लिए सर्वोपरि है कि भविष्य में कोई भी इस तरह के अनुचित आचरण से हमारे नायकों और हमारी एकता के प्रतीकों को अपमानित करने की हिम्मत नहीं करेगा। टीआई और सैन्य प्रतिष्ठान का एक-दूसरे के खिलाफ सख्त रुख एक साल बाद भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है, क्योंकि दोनों पक्ष अपनी बात मानने को तैयार नहीं हैं।

अमेरिका ने रोकी इजराइल को 3500 घातक बमों की सप्लाई

-राफा में चलाए जा रहे अभियान को रोकने बाइडन प्रशासन ने उठाया कदम

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा में हमास-इजराइल युद्ध में बुरी तरह से फंसे इजरायल को अब अमेरिका ने भी धोखा दे दिया है। बाइडन प्रशासन ने इजरायल को 3500 घातक बमों की सप्लाई पर रोक लगा दी है। इजरायल के राफा में चलाए जा रहे अभियान को रोकने के लिए बाइडन प्रशासन ने यह कदम उठाया है।

अमेरिका और यहूदी देश इजरायल के बीच चट्टानी दोस्ती दशकों पुरानी है। अक्सर कहा जाता है कि इजरायल अमेरिका का 51वें राज्य की तरह है। अमेरिका द्वारा 3500 बमों में से 2000 बम करीब 1 हजार किलो के हैं। जो शहरी इलाके में तबाही मचा सकते हैं और अमेरिका के डर की वजह भी यही है। राफा शहर में 14 लाख फलस्तीनी लोगों ने शरण ले रखी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के हथियारों की सप्लाई रोकने से पूरी दुनिया में संदेश गया है कि अमेरिका हथियार सप्लायर नहीं है। उन्होंने भारत को भी सतर्क रहने की नसीहत दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक साक्षात्कार में कहा है कि वह इजरायल को ऐसे हथियार नहीं देंगे जिससे राफा में ऑल आउट अभियान शुरू किया जाए। राफा हमास का आखिरी गढ़ है जिस पर अभी इजरायली सेना ने विजय हासिल नहीं की है। इजरायल ने जब गाजा में अभियान शुरू किया तब ज्यादातर फिलिस्तीनी राफा चले गए और अभी भी वहीं रह रहे हैं। बाइडन ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अभी भी इजरायल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इजरायल को आयरन डोम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइल और अन्य रक्षात्मक हथियारों की सप्लाई करेगा।

बाइडन ने कहा कि हम हथियारों और तोप के गोलों की सप्लाई नहीं करने जा रहे हैं। उन्होंने माना कि अमेरिका के दिए भारी भरकम बम का इजरायल ने जमकर इस्तेमाल किया जिससे गाजा में हजारों आम नागरिक मारे गए हैं। अमेरिका ऐतिहासिक रूप से इजरायल को सैन्य सहायता देता रहा है। अब अमेरिका के बम और तोप के गोलों की सप्लाई रोकने पर विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका जब अपने दोस्त इजरायल के साथ ऐसा कर सकता है तो आप सोच सकते हैं भारत के साथ क्या होगा। भारत को हथियारों में आत्मनिर्भर बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

संपादकीय

हरियाणा में सरकार

हरियाणा में भाजपा की सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं और उसके खिलाफ मुहिम चला रहे नेताओं की संख्या अचानक से बढ़ गई है। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को हरियाणा सरकार को गिराने के लिए कांग्रेस को बाहर से समर्थन देने पर विचार करने की पेशकश कर दी। विपक्षी नेताओं की मांग है कि हरियाणा में शक्ति परीक्षण कराया जाए। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के पास शक्ति परीक्षण का आदेश देने की शक्ति है। विपक्ष ने यह भी मांग की है कि अगर सत्तारूढ़ पार्टी बहुमत में नहीं है, तो हरियाणा में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए, पर क्या यह आसान है? नए दौर की भाजपा को अपनी सरकारों के बचाव में सबसे सक्षम माना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल खट्टर के साथ ही वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बहुमत के प्रति आश्वस्त नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार को कोई खतरा नहीं है, उनके पास संख्या बल है और जरूरत पड़ने पर वह शक्ति परीक्षण के लिए तैयार हैं। दरअसल, नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बने अभी दो महीने ही बीते हैं और कम से कम चार विधायक उनका साथ छोड़ चुके हैं। वैसे, उन्हें बहुमत सिद्ध किए दो महीने ही बीते हैं और कायदे से विशेष परिस्थितियों में अब राज्यपाल ही बहुमत सिद्ध करने के लिए कह सकते हैं। ऐसे में, राज्यपाल को लिखे गए पत्र का महत्व बढ़ जाता है। दो महीने पहले बनी सरकार को विपक्ष इसलिए अब अल्पमत में मान रहा है, क्योंकि सरकार को समर्थन देने वाले दो विधायकों, एक भाजपा से और दूसरे निर्दलीय ने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा तीन निर्दलीय विधायकों ने सैनी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। राज्य के 90 सदस्यीय सदन में भाजपा के 40, कांग्रेस के 30, जननायक जनता पार्टी के 10, हरियाणा लोकहित पार्टी (एचएलपी) और आईएनएलडी के एक-एक और छह निर्दलीय विधायक हैं। भाजपा के पास शुरुआत में 41 विधायक थे, पर 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार खट्टर के इस्तीफे के बाद करनाल सीट खाली होने पर विधायकों की संख्या घटकर 40 रह गई है। इससे विपक्ष का मनोबल बढ़ा है। वास्तव में, दुष्यंत चौटाला सरकार को गिराना चाहते हैं, पर कांग्रेस के बिना सरकार को गिराना मुश्किल है। कांग्रेस का ध्यान फिलहाल लोकसभा चुनाव पर है, उसे हरियाणा में सरकार गिराने में कोई जल्दी नहीं है। हरियाणा की सभी 10 सीटों पर 25 मई को मतदान है और उसके बाद ही प्रदेश में सरकार बनाने-गिराने की राजनीति तेज होगी। वैसे, भाजपा सत्ता बरकरार रखने को लेकर आश्वस्त दिख रही है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी दावा किया है कि कांग्रेस और जेजेपी के नेता भाजपा के संपर्क में हैं। भाजपा के पक्ष में पूरे आंकड़े नहीं दिखते हैं, पर उसे भरोसा है कि विपक्ष में सेंध लगाकर सरकार को बचाया जा सकता है। वैसे भी, चार-पांच महीने बाद ही हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। उसके नतीजे अक्सर चौंकाते हैं। साल 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज चार सीटें मिली थीं, पर अगले ही चुनाव 2014 में वह 47 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। 2019 के चुनाव में भी भाजपा 40 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल थी और जजपा के साथ उसने सरकार बनाई। वह नहीं चाहेगी कि हरियाणा जैसा राज्य उसके हाथ से निकल जाए, तो यकीन मानिए, आने वाले दिनों में कुरुक्षेत्र वाले राज्य में राजनीति तेज रहने वाली है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

आज के दिन भाभा का सपना पूरा हुआ

(लेखक - संजय गोस्वामी)

(राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई 24 पर विशेष)

आज के दिन 11 मई 1998 भारतीय वैज्ञानिकों ने महान परमाणु वैज्ञानिक भाभा का सपना पूरा पूरा किया दरअसल भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना 3 अगस्त 1948 को महान वैज्ञानिक डा. होमी जहांगीर भाभा की अध्यक्षता में की गई। भारत सरकार द्वारा पारित एक प्रस्ताव ने बाद में 1 मार्च 1954 को ''भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग卐 द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत डा. होमी जहांगीर भाभा के साथ सचिव के पद पर की गई 1954 में, भारत केमहान परमाणु वैज्ञानिक डा. होमी जहांगीर भाभा के नेतृत्व में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान, ट्राम्बे की स्थापना भारत के पूर्व प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल लाल नेहरू ने किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत से ठीक पहले था।एईईटी, जिसे बाद में इसके संस्थापक निदेशक डॉ. होमी भाभा के नाम पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) का नाम दिया गया था, इसे मुख्य रूप से एक अनुसंधान केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था, जिसमें परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग हेतु पावर रिएक्टरों से बिजली पैदा करना व जनहित के लिए रिसर्च रिएक्टरों से रेडियो आइसोटोप विकसित करना व पावर रिएक्टरों के विकास के लिए शोध करना है। परमाणु ऊर्जा 1957 में भारत के संसद में भारत के पहले प्रधान मंत्री पं जवाहरलाल नेहरु ने कहा था कि, भारत में प्राकृतिक यूरेनियम की बड़ी आपूर्ति का अभाव है, और इसलिए लंबी अवधि में अपनी स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए परमाणु ऊर्जा एक वैकल्पिक उर्जा की आवश्यकता है। भाभा की योजना को साकार करने की दिशा में पहला कदम था अप्सरा अनुसंधान रिएक्टर का निर्माण जिसे भारत व यूनाइटेड किंगडम की सहायता से सन 1956 में अप्सरा रिएक्टर क्रांतिक यानी चालु हो गया व यूनाइटेड किंगडम द्वारा आवश्यक ईंधन यूरेनियम की आपूर्ति की गई। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह स्वमिंग पुल रिएक्टर है जिसके उपर से सभी नाभिकीय अभिक्रिया दिखाई देता है व इसके द्वारा न्यूट्रॉन रेडियोग्राफी किया जाता है।अप्सरा रिएक्टर के पूरा होने से पहले, साइरस रिएक्टर के निर्माण की योजनाएँ तैयार की गईं। कनाडा के सहयोग से भारत के मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सन 1955 में साइरस (ब्स्नै) रिएक्टर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ इसमें ईंधन व भारी पानी की आपूर्ति में यू.एस. की भागीदारी आई। बाद में भारत में ही रिएक्टर के लिए भारी पानी ड्यूटोरियम, फरवरी 1982 में भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जाने लगा। रेडियो आइसोटोप विकसित करने के अनुसंधान रिएक्टरों की जरूरत होती है जिसमें विखंडित कृत्रिम तत्व से रेडियो आइसोटोप बनाया जाता हे जिससे गामा या अल्फा किरणें निकलती है, गामा किरणों के प्रभाव से कैंसर के सेल को खत्म किया जाता है व इन किरणों के प्रभाव से फसल की पैदावार को बढ़ना व खाद्य पदार्थों को बहुत दिनों तक सुरक्षित रखना इसके अलावा वेल्डिंग त्रुटि को पहचान हेतु औधौगिक रेडियोग्राफी में बहुतायत में उपयोग किया जाता है। अल्फा एमिटर का उपयोग पेसमेकर, सैटेलाइट बैटरी, व स्मोक डिटेक्टर में किया जाता है। बहुत से परमाणु विकसित देशों ने 24 सितंबर 1996 को सीटीबीटी यानी कांप्रेहेन्सिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था। उस समय इस पर 71 देशों ने हस्ताक्षर किया था। अब तक इस पर 189 देशों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। भारत और पाकिस्तान ने सीटीबीटी पर अब तक हस्ताक्षर नहीं किया है। इसके तहत परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने के साथ यह प्रावधान भी किया गया है कि न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (हस्र) उसी को नाभिकीय ईंधन की आपूर्ति परमाणु बिजली के लिए करेगा जिसने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर की होगी एनएसजी दरअसल बहुत से देशों का एक समूह है। जो नाभिकीय ऊर्जा बिजली पैदा करने के लिए देता है वह परमाणु निरस्त्रीकरण के लिये हो यानि इससे कोई परमाणु अस्त्र न बना पाए जिसकी निगरानी आईएईए करता है।इस कार्य के लिये यह समूह नाभिकीय शस्त्र बनाने योग्य सामग्री के निर्यात को सीटीबीटी पर हस्ताक्षर कराकर परमाणु परीक्षण के लिए प्रतिबंधित करती है। इसका वास्तविक लक्ष्य यह है कि जिन देशों के पास नाभिकीय अस्त्र नहीं है, वे इसे अर्जित न कर सकें। यह समूह ऐसे परमाणु उपकरण, सामग्री और तकनीक के निर्यात पर रोक लगाता है जिसका प्रयोग परमाणु शस्त्र बनाने में होना है और इस प्रकार यह परमाणु प्रसार को रोकता भी है । 1995 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुनः परीक्षण के लिए भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ. एपीजे कलाम व डॉ. आर चिंतंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था। जब 1998 में स्व. पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम को पूरी छूट दी। उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है। अतः आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है। इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है। इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का आफर दिया स्व डॉ. कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया। बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है, और मैं अकेला हूं, अतः वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है। अतः भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की। उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए। पूर्व प्रधान मंत्री स्व. अटलजी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत बड़ा कदम 11मई 1998 में बिना किसी के डर के देश के महान वैज्ञानिक व पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे के ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद एक के बाद एक पांच परमाणु परीक्षण कर दिया और सारे देश में खुशी की लहर दौड़ गई और पूरा विश्व दंग रह गया। स्व. पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी ने इस अवसर पर 11मई को हर साल नेशनल टेक्नोलाजी डे का ऐलान भी किया और जय जवान, जय किसान के साथ जय विज्ञान का नारा भी दे दिया। जिससे देश आत्मनिर्भर व प्रौद्योगिकी के विकास के लिए दूसरे देश को निर्भर नहीं रहेगा, जिससे देश के विज्ञान में आगे रहेगा व अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। भारत जैसे बड़े देश के लिए 1.40 अरब की आबादी और तेजी से आर्थिक विकास दर के साथ ऊर्जा संसाधन या तकनीक से ईंधन की आपूर्ति, पर्यावरणीय प्रभाव, विशेषकर जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से संबंधित सभी मुद्दों का हल आसानी से नहीं निकाला जा सकता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि वर्तमान शताब्दी में भारत जैसे देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए - यथासंभव विविधता - सभी गैर-कार्बन उत्सर्जन संसाधन हमारे ऊर्जा मिश्रण का एक अभिन्न अंग बन जाए। तीन कारक - आर्थिक, आपूर्ति की सुरक्षा और पर्यावरणीय संबंधी - संधारणीय ऊर्जा भविष्य में परमाणु ऊर्जा की दीर्घकालिक भूमिका का निर्धारण करेंगे बिजली उत पादन हेतु कई विकल्प हैं। प्रमुख उत्पादक प्रौद्योगिकियों में जीवाश्म ईंधन, पनबिजली ऊर्जा और परमाणु शामिल हैं। भारतीय बिजली क्षेत्र में बिजली उत्पादन की संरचना कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भर है। भारत के ऊर्जा सम् मिश्र में कोयला प्रमुख स् थान पर है। गत कुछ वर्षों में परमाणु आधारित बिजली के योगदान में थोड़ा बदलाव आया है। बढ़ती ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सभी प्रकार के ऊर्जा संसाधनों का तेजी से विकास और उपयोग करने के लिए नीतिगत निर्णय लेने और लागू करने की आवश्यकता है। ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पर्यावरण लक्ष्यों को पूरा करते समय, सभी उपलब्ध ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग किया जाना चाहिए। ऊर्जा आवश्यकताओं, पर्यावरण और सामाजिक प्रभावों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करते हुये भारत को अपने स्वयं का इष्टतम ऊर्जा सम्मिश्र तैयार करना होगा। हमें वास्तविकता का सामना करना चाहिए कि हम अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयले, गैस और तेल के दहन पर अनिश्चित काल तक निर्भर नहीं रह सकते। जीवाश्म ईंधन की जगह धीरे-धीरे कई अन्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर विचार किया जा सकता है। किसी परमाणु के नाभिक से उत्पन्न ऊर्जा को नाभिकीय ऊर्जा कहते हैं। रदरफोर्ड ने नाभिक की खोज 1911 में की थी नाभिकीय अभिक्रियाओं में परमाणु के नाभिक भाग लेते हैं जिसमे तत्वो के परमाणुओं के नाभिको की संरचना में परिवर्तन होता है जिसके फलस्वरूप नए परमाणु या नए कण बनते हैं और साथ ही ऊर्जा की विशाल मात्रा उत्सर्जित होती है इस उत्सर्जित ऊर्जा को नाभिकीय ऊर्जा कहते हैं। नाभिकीय ऊर्जा का उपयोग कई जगह किया जाता है।इसका उपयोग विद्युत के उत्पादन में होता है।नाभिकीय ऊर्जा से जो ऊष्मा मिलती है उसका उपयोग भाप बनाने में किया जाता है।जिसके बाद उससे बिजली बनती है।वर्ष 2009 में दुनिया की 15 प्रतिशत बिजली का उत्पादन नाभिकीय ऊर्जा से हुआ था। अन्तरिक्ष में नाभिकीय ऊर्जा के विखंडन तथा संलयन दोनों का ही उपयोग होता है।

सृजन विरोधी सफलता के सपनों का कारोबार

अविजीत पाठक

जैसा कि होता है, यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम मीडिया और लोगों का ध्यान खींचते हैं, 'टॉपर्स' के दमकते चेहरों की फोटो चहुंओर दिखने लगती है- ब्रांड बन चुके कोचिंग सेंटरों की ओर से जारी विज्ञापनों से शहरों में बिल बोर्ड्स से लेकर अग्रणी अखबारों के मुखपृष्ठ तक पट जाते हैं। यही कुछ विभिन्न शिक्षा बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के परीक्षा परिणाम आने पर होता है, तब भी यह प्रक्रिया दोहराई जाती है- अर्थात् भौतिकी, रसायन, गणित और जीव-विज्ञान में शानदार प्रदर्शन कर दिखाने वाले 'टॉपर्स' किशोर-किशोरियों की 'सफल' छवि का निर्माण करना! ऐसी 'सफलता गाथाएं' सुन-सुनकर मैं थक चुका हूं, बल्कि, मेरी रुचि व्यवस्था की वह नब्ज़ पकड़ने में है, जो चुनींदा 'सफलता' की चकाचौंध फैलाकर वास्तव में 'असफलता' का निर्माण कर रही है। गौरतलब है, भारत भर में यूपीएससी कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3000 करोड़ है। यदि दिल्ली के मुखर्जी नगर और करोल बाग की छोटी-बड़ी गलियों में जाएं और युवा अभ्यर्थियों से बात करें जो भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर, पीएचडी, यूनिवर्सिटी विद्यार्थी बनना चाहते हैं तब आपको महसूस होगा 'सफलता के सपने' की ताकत का, जिसके जरिये कोचिंग सेंटरों के नामचीन गुरुओं ने अपने नोट्स, लेक्चर, गाइड पुस्तकों, इंटरव्यू रणनीति और यहां तक कि अपने प्रेरणास्पद भाषणों से इन चाहवानों को फांस रखा है।

बहरहाल, यह सपना खूब बिक रहा है क्योंकि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जो 'ताकत' की पूजा करता है- जरूरी नहीं वह ताकत ज्ञान और अक्ल की हो, वह राजनीतिक-प्रशासनिक एवं आर्थिक भी हो सकती है। छोटे शहरों और गांवों के असंख्य मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए, यह बहुत मायने रखता है यदि उनका बेटा या बेटी जिला उपायुक्त या पुलिस कप्तान बन जाए, क्योंकि इस पद के साथ ताकत, विशेषाधिकार और ग्लैमर स्पष्ट रूप से जुड़े हैं। इससे स्थानीय समाज में उनका रुतबा और हैसियत ऊंची हो जाती है। बेशक, यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की मिथकीय सफलता का अपना सम्मोहन है। हालांकि, अनुपात के हिसाब से 'सफल' होने वालों की संख्या बहुत कम है (मसलन, 2023 में 13 लाख अभ्यर्थी यूपीएससी की प्री-लिम परीक्षा में बैठे थे लेकिन आखिर में 1016 ही चुने गए), फिर भी यह धंधा फल-फूल रहा है। जहां हम 'सफलता गाथाओं' की महिमा गाते हैं, वहीं कोचिंग की ये दुकानें असफल रहे उम्मीदवारों का कितना मानसिक एवं बौद्धिक नुकसान कर रही हैं, उस पर गौर करने में विफल रहते हैं। जरा सोचिए, यह मिथकीय सफलता पाने को अधिकांश प्रत्याशी पांच से छह साल लगातार प्रयासरत रहते हैं, इस बीच इतिहास, भूगोल, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान व सामान्य ज्ञान के नोट्स रात-दिन रटते हैं, भारी मात्रा में पैसा लगता है, फिर भी बारम्बार असफल होते हैं! हां, यह अमानवीय और मशीनी तंत्र उन्हें खत्म कर रहा है- मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक रूप से। इनमें कइयों के लिए, असफलता के आघात से जख्मी हुए स्वाभिमान से उबरना, उम्मीद एवं रचनात्मकता के साथ जीवन को पुनः परिभाषित करना मुश्किल हो जाता है।

आगे, समूचा तंत्र उच्चतर शिक्षा के मूल उद्देश्य को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। अवश्य ही, यदि कोई आईआईटी-कानपुर से इंजीनियर अथवा नई दिल्ली के एम्स से डॉक्टर बनकर निकले या पुलिस अफसर या टैक्स कमिश्नर बने, तो यह 'देवत्व' पाने जैसा नहीं है। इसी प्रकार, यदि किसी अग्रणी यूनिवर्सिटी से इतिहास का छात्र सिविल परीक्षा की तैयारी के चक्कर में, अपनी सामान्य कक्षाएं लगातार न लगाए, एरिक हॉब्सबॉम या इरफान हबीब जैसों को भूल जाए, और मुख्य ध्यान सिर्फ कोचिंग सेंटरों के रणनीतिकारों द्वारा दिए नोट्स या कुंजियों पर केंद्रित रखे (हां, यू-ट्यूब पर ऐसे कइयों के लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं), यह संकेतक है नुकसान की उस तीव्रता का जो कोचिंग सेंटरों के धंधेबाजों ने हमारे विश्वविद्यालयों में खोजपरक अध्यापन और अनुसंधान की प्रगति का कर डाला है। हम यह भूल चुके हैं कि एक जीवंत राष्ट्र को जरूरत है महान भौतिक विज्ञानी, राजनीतिक दर्शनशास्त्रियों, समाज शास्त्रियों और साहित्य आलोचकों की- न कि केवल जिला आयुक्तों और पुलिस कमिश्नरों की।

अफसोस कि सामाजिक-डार्विनवाद के सिद्धांत से पनपी इस किस्म की परम-प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता स्कूली विद्यार्थियों तक की आत्म-धारणा में बदलाव ला रही है। उन तरीकों को देखिये, जिस तरह बिल बोर्डों पर बोर्ड परीक्षा के 'टॉपर्स' की छवियां चस्पां की जाती हैं या मानक बना दिए गए जेईई एवं नीट जैसे टेस्टों का निर्माण किया गया है, यह तरीका है लड़के-लड़कियों को रातों-रात 'सितारा' बनाने का और 'विशेष' होने का यकीन करवाने का खेल है। पुनश्चः, सफलता का महिमामंडन करने के तरीके में हम असफल रहे हजारों-हजार युवाओं के मानस को पहुंची पीड़ा, ठेस, शर्मिंदगी की तीव्रता को नज़रअंदाज कर देते हैं। कब जाकर हम यह समझेंगे कि हमारी स्कूली शिक्षा में सब कुछ सही नहीं है? कब हमें अहसास होगा कि स्कूलों में लागू पाठ्यक्रम, तकनीकी निगरानी और एकल आयामी, परीक्षा-आधारित, किताबी ज्ञान वाली प्रणाली अक्सर उन विद्यार्थियों को उचाट कर देती है जो स्कूली पढ़ाई से परे, कुछ कल्पनाशील और अधिक रोमांचक करने के पीछे 'पागल' हैं। अपने प्रामाणिक अध्ययन में, जॉन होल्ट (हाऊ चिल्ड्रन फेल) और कर्स्टन ऑल्सन (वूंडेड बाई स्कूल) शिक्षा पद्धति के घातक परिणामों के बारे में याद दिलाते हैं, जिसमें सृजनात्मकता से ज्यादा ढर्रे को अधिमान है, जो छात्र की रुचियों का दमन करती हैं और जिसे सीखने-सिखाने वाले में फर्क की शिनाख्त नहीं है। वास्तव में, यहां वह व्यवस्था है जो कुछ अलग करने की ललक रखने वालों में बहुतों का मजाक उड़ाकर उनके चाव को खत्म और कल्पनाशीलता को कुंद कर देती है।

इस नाजुक उम्र में बहुत से युवाओं के लिए असफलता के कलंक से उबर पाना आसान नहीं होता। अफसोस कि हम उनकी सृजनशील सामर्थ्य का फायदा नहीं उठा पाते। लिहाजा थकावट, ऊबाऊपन और एकाकीपन की भावना से उनकी कल्पनाशीलता और अर्थपूर्ण जीवन के प्रति उत्साह बुझ जाता है। इस 'सुरक्षा-आसक्त' दुनिया में, उनका दर्द समझने की परवाह किसे है। इस बीच, हमारे 'सफल' युवा खुशी-खुशी बने-बनाए ढर्रे में ढल जाते हैं, कोई हैरानी नहीं कि उनके लिए अपने 'सुरक्षित' और 'स्थाई' पेशे से परे जीवन की राह सोच पाना मुश्किल हो- मसलन, नव-उदारवाद के बाजार के विस्तार के लिए दिन-रात खटता कोई टेक्नो-मैनेजर या कोई प्रशासक अथवा नौकरशाह जो यथास्थिति बनाए रखने वाले प्रशासन की हां में हां मिलाने वाला हो। इस दौरान, राजस्थान के कोटा से लेकर दिल्ली के मुखर्जीनगर तक कोंचिग उद्योग ने अपना मुनाफादायक धंधा फैला लिया है और 'सफलता' का सपना जमकर बेच रहे हैं, भविष्य को लेकर चिंता-ग्रस्त मध्य वर्ग पर डोरे डाल रहे हैं और युवा दिमाग के सृजनशील बागीपन को कुचल रहे हैं।

विचार मंथन

क्रोध की आंधी में बुझ जाता है विवेक का दीप

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आजकल समाज में प्रायः देखा जा रहा है कि लोगों की सहन-शक्ति कम हो रही है और जरा-जरा सी बात पर क्रोध भड़कने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। 'रोड-रेज़' की घटनाएं इन दिनों आपको प्रतिदिन जहां-तहां सुनने को मिलती रहती हैं। क्रोध मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है, यह हमारे धर्मशास्त्रों में बताया गया है, लेकिन इन दिनों तो जिसे देखिए, वही क्रोध की ज्वाला में धधकता मिलता है। एक दार्शनिक ने कहा है— 'क्रोध वह आंधी है, जिसके आने पर बुद्धि का दीपक स्वतः बुझ जाता है।' तब लाख टके का सवाल यह पैदा होता है कि क्रोध आता क्यों है? सभी जानते और मानते हैं कि क्रोध जीवन का सर्वनाश कर देता है, फिर भी हम इस क्रोध की ज्वाला को शांत क्यों नहीं कर पाते? मनोविज्ञानी मानते हैं कि व्यक्ति के भीतर जब 'हीनता की भावना' प्रबल हो जाती है और उसकी बात नहीं मानी जाती, तो वह क्रोध से भर उठता है। कहा तो यह भी गया है -

'क्रोध कभी मत कीजिए,करे शांति को भंग।
शीतल मन नित राखिए, जीवन भरे उमंग।'

क्रोध पर विचार करते हुए आज एक बड़ी ही कारुणिक लोककथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे बरबस रुला दिया है। यह लोककथा आपको भी दे रहा हूं। एक गांव में एक विधवा औरत और उसकी 6-7 साल की बेटी रहते थे। किसी प्रकार गरीबी में वे दोनों अपना गुजर-बसर करते थे। एक बार मां सुबह-सवेरे घास लेने के लिए गयी और घास के साथ ही झाड़ियों में उगने वाला फल 'काफल' भी तोड़ के लायी। बेटी ने काफल देखे, तो बड़ी खुश हुई। मां ने बेटी से कहा कि मैं खेत में काम करने जा रही हूं, दिन में जब लौटूंगी, तब काफल खाएंगे। मां ने वे काफल टोकरी में रख दिए। बेटी दिन भर काफल खाने का इंतज़ार करती रही। बार-बार टोकरी के ऊपर रखे कपड़े को उठाकर देखती और काफल के खट्टे-मीठे रसीले स्वाद की कल्पना करती, लेकिन उस आज्ञाकारी बच्ची ने एक भी काफल उठाकर नहीं चखा। प्रतीक्षा में बैठी रही कि जब मां आएगी, तब दोनों ये काफल खाएंगे। आखिरकार मां आई! बच्ची दौड़ के मां के पास गयी और बोली, 'मां, मां! अब काफल खाएं?' 'थोड़ा सांस तो लेने दे छोरी' मां बोली। फिर मां ने काफल की टोकरी निकाली, उसका कपड़ा उठा कर देखा, 'अरे! ये क्या? काफल कम कैसे हुए?' गुस्से में मां ने पूछा, 'तूने खाये क्या?' बेटी बोली, 'नहीं मां, मैंने तो चखे तक भी नहीं!'

जेठ की तपती दुपहरी में मां का दिमाग पहले ही गर्म था, अब भूख और तड़के उठ कर लगातार काम करने की थकान के कारण मां को बच्ची के झूठ बोलने से बहुत गुस्सा आ गया। मां ने ज़ोरों से एक झांपड़ बच्ची के सिर पर दे मारा। बच्ची उस जोरदार अप्रत्याशित वार से तड़प कर नीचे गिर गयी और 'मैंने काफल नहीं चखे मां' कहते-कहते उसके प्राण पखेरू उड़ गए! अब जैसे ही मां का क्षणिक आवेश उतरा, तो उसे होश आया! वह बच्ची को गोद में लेकर प्रलाप करने लगी! 'ये क्या हो गया! मुझ दुखियारी का एकमात्र सहारा यह बेटी ही तो थी। उसे भी अपने ही हाथ से मैंने खत्म कर दिया? वो भी तुच्छ से काफल की खातिर! आखिर ये लायी किसके लिए थी? इसी बेटी के लिये ही तो! तो क्या हुआ था, जो उसने थोड़े खा ही लिए थे?'

रोते-बिलखते मां ने उठा कर काफल की वह टोकरी बाहर फेंक दी और रात भर वह बैठी रोती- बिलखती रही। हुआ यह था कि जेठ की गर्म हवा से काफल कुम्हला कर थोड़े कम हो गए थे। रात भर बाहर ठंडी हवा में पड़े रहने से वे सुबह फिर से खिल गए और टोकरी भरी-पूरी हो गयी! अब मां की समझ में आया और रोती-पीटती बेटी के शोक में वह भी मर गयी! कहते हैं कि वे दोनों मर के पक्षी बन गईं और जब भी काफल पकते हैं, तो एक पक्षी बड़े करुण भाव से गाता है- 'काफल पाको! मी नी चाखो' (काफल पके हैं, पर मैंने नहीं चखे हैं) और तभी दूसरा पक्षी चीत्कार कर उठता है- 'पुर पुतई पूर पूर!' (पूरे हैं बेटी पूरे हैं)!

मेरी ही तरह, आप भी इस 'काफल-कथा' को पढ़कर संत कबीर के इस दोहे के मर्म को जरूर समझ जाएंगे :-

'क्रोध-अग्नि घर-घर बसी, जले सकल संसार।
दीन लीन निज भक्ति जो, तिनके निकट गुबार।'

अर्थात् क्रोध की अग्नि तो घर-घर में बसी हुई है, जिसमें सारा संसार जल रहा है। जो दीन प्राणी अपनी भक्ति में लीन है, वही इस गुब्बार से बचता है।

निश्चय ही, क्रोध हमारे मन की ऐसी विकृति है जो हमारे विवेक को जलाकर राख कर देती है। इस क्रोध में हम वह कर जाते हैं, जिसे सोचना तक संभव नहीं होता। क्रोध के बाद केवल पछतावा ही बचता है, बाकी सब तो स्वाहा हो जाता है। आइए, आज मिलकर एक संकल्प हम अवश्य लें कि हमारे विवेक को राख कर देने वाले इस क्रोध नामक शत्रु को हम कभी जीवन में नहीं आने देंगे।

लौकी में संकर बीज उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी

संकर बीज उत्पादन के लिए चुना गया खेत अवांछित पौधों से रहित होना चाहिए। खेत समतल तथा उसमें उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए। खेत की मिटटी का पीएच मान 6.5-7.5 के बीच उपयुक्त रहता है। खेत में सिंचाई की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

ऋतु का चुनावः

लौकी के संकर बीज उत्पादन के लिए ग्रीष्म ऋतु की अपेक्षा खरीफ ऋतु अधिक उपचुक्त होती है। खरीफ ऋतु में, ग्रीष्म की अपेक्षा अधिक बीज उपज मिलती है क्योंकि खरीफ में फलों तथा बीजों का विकास अच्छा होता है।

बीज का स्रोत

संकर बीज उत्पादन के लिए पैतृक जननों का आधारीय बीज ही प्रयोग किया जाता है जिसे सम्बन्धित अनुसंधान संस्थान या कृषि विश्वविद्यालयों से प्राप्त किया जा सकता है।

पृथक्करण दूरीः

लौकी एक पर-परागित एवं उभयलिंगाश्री (नर व मादा पुष्प का अलग अलग भागों पर आना) फसल है। आनुवांशिक रूप से शुद्ध बीज उत्पादन के लिए, बीज फसल, अन्य किस्मों तथा व्यावसायिक संकर किस्मों के बीच में न्यूनतम 1000 मीटर की दूरी होनी चाहिए। नर व मादा पैतृकों की बुवाई अलग-अलग खण्डों में न्यूनतम 5 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए।

पुष्प जैविकी :

लौकी के फूल सफेद रंग के होते हैं। फूल प्रायः दोपहर बाद, 4 से 6 बजे के बीच खिल जाते हैं और रात भर खिले रहकर अगले दिन मुरझा जाते हैं। लौकी में पुष्प खिलने के ठीक पहले (दोपहर 1 से 4 बजे) वर्तिकाग्र अधिकतम ग्राही होता है। पुमंग में परागण मात्र

एक दिन तक जीवित रहते हैं। परागण कार्य कीटों जैसे मधुमक्खियों द्वारा सांय या रात में होता है।

खाद एवं उर्वरक :

एक हैक्टेयर (10000 वर्ग मीटर) खेत में 25 से 30 टन गोबर की सडी खाद, बुआई से 15-20 दिन पहले मिलाना चाहिए। एन.पी.के. 40ः60ः60 अनुपात में लगाना चाहिए। फॉस्फोरस एवं पोटाश के मिश्रण को 500 ग्राम थमला बुवाई के समय लगायें तथा नत्रजन को दो बार में आधा-आधा करके बुवाई के 30-35 दिन बाद तथा 50-55 दिन बाद खडी फसल में लगाना चाहिए। अगर फसल कमजोर है या बढवार कम है तो 1त्न यूरिया के घोल का छिडकाव करना चाहिए। छिडकाव के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।

बीज की बुवाई :

भारत में लौकी के संकर बीज उत्पादन के लिए पैतृकों की बुवाई जुलाई माह के प्रथम सप्ताह या प्रथम पखवाडे में करना उपयुक्त रहता है। दो बीज प्रति थमला (॥द्वद्यद्य) बोने चाहिए तथा बुवाई के 15 दिन बाद जब पौधें 2-4 पत्ती के हो जायें तो फालतू पौधों को निकाल दिया जाता है। एक थमले में एक ही पौधा रखा जाता है।

बीज दर व पौधअंतरण :

मादा पैतृक के लिए 1.5किग्रा/हैक्टेअर तथा नर पैतृक के लिए 0.5किग्रा/हैक्टेअर बीज पर्याप्त होता है। दो सिंचाई नालियों के बीच की दूरी 3 मीटर तथा पौधे से पौधे के बीच की दूरी 0.5 मीटर होनी चाहिए। बीज को 2-3 इंच गहराई में बोना उपयुक्त रहता है।

बुवाई विधि व नर-मादा पौध अनुपात :

मादा एवं नर बीजों की बुवाई अलग अलग खण्डों में एक ही दिन की जाती है। इसलिए कुल क्षेत्र के एक चौथाई भाग (1/4 भाग) को नर पौधों के लिए तथा तीन चौथाई (3/4) भाग को मादा पौधो के लिए चिन्हित कर लें। बीजों को बुवाई के 18-24घंटे पुर्व उपचारित अवश्य करें। उपचारित करने के लिए, 2 ग्राम थीराम या कैप्टान प्रति किग्रा बीज के हिसाब से कुल बीज की मात्रा के बराबर पानी में घोल बनाकर,नर व मादा बीजों को चिन्हित करके भिगोदें। बुवाई से पूर्व बीजों को छाया में फैलाकर सुखा दें।

परागण प्रबंधन :

हस्थ परागण, प्राकृतिक परागण से अधिक अच्छा होता है। मादा पैतृक में स्वनिषेचन को रोकने के लिए, पुष्पन से पहले ही नर कलिकाओं को मादा पैतृक पौधों से तोडकर नष्ट किया जाता है। पुष्पन होने से पहले मादा व नर पुष्पों को सफेद रंग के बटर पेपर से ढक दिया जाता है। उष्मीय प्रभाव कम करने के लिए बटर पेपर में 5-6 छोटे छोटे छेद बनाये जाते हैं। मादा पैतृक के पौधों से नर कलियां तोडने की प्रक्रिया 40-45 दिनों तक की जाती है तथा साथ साथ नर पैतृक पौधों से अल्प विकसित फलों को तोडते रहते हैं। इससे अधिक संख्या में नर फूल मिलते है।

परागण कार्य प्रतिदिन 1-3 बजे अपराह्न किया जाता है तथा 3 से 5 फल प्रति पौधा सुनिशचित करने के लिए 40-45 दिनों की परागण अवधि पर्याप्त रहती है। फलों तथा बीजों के विकास को सुगम बनाने के लिए परागित पुष्पों के अतिरिक्त अन्य बनने वाले पुष्पों को निकाल देना चाहिए ताकि परागित फलों का विकास भली प्रकार हो सकें।

रोगिंग :

नर और मादा खण्डों से अवांछित पौधों को चार बार निरीक्षण करके निकालना चाहिए। एक बार पुष्पन से पूर्व, दो बार पुष्पन व फल

बनने की अवस्था में तथा अंतिम बार फलों के पकने या तुडाई के पूर्व जातीय लक्षणों के आधार पर निकालें। अवांछनीय पौधों, विषाणु सुग्राही और रोग ग्रस्त पौधों को निकालकर नष्ट कर देना चाहिए। अवांछनीय पौधों की संख्या कभी भी 0.05त्न से अधिक नही होनी चाहिए। फलों को तोडने के बाद बीज निकालने से पहले अल्प विकसित फलों को भी हटा देना चाहिए।

फलों का पकाना, बीज निकालना तथा सुखाना :

फल सामान्यत : परागण के 60-65 दिन बाद तुडाई के योग्य हो जातें हैं। इस समय फल हरे रंग से भूसे के रंग के हो जाते हैं। फलों की तुडाई 2-3 बार में करना उत्तम रहता है। फलों के अधिक पक कर सूखने से बीज उपज पर बुरा प्रभाव पडता है। बीज निकालने से 7-10 दिन पहले फलों को छायादार सुरक्षित स्थान पर रखकर रचाना चाहिए। इसके बाद फलों को हथौडे अथवा डंडे से तोडकर हाथ से बीजों को गुदे से अलग करना चाहिए। लोकी का बीज मशीन द्वारा भी निकाला जा सकता है।

बीज उपज :

लौकी में हस्त परागण करने से प्रति पौधा 215.5 ग्राम बीज उपज प्राप्त हो सकती है तथा औसत बीज उपज 150 से 200 कि.ग्रा./एकड तक प्राप्त की जा सकती है। 1000 बीजों का भार 157 ग्राम होता है।

फायदेमंद है गर्मी में लौकी की खेती

लौकी अत्यंत स्वास्थ्यप्रद सब्जी है जिसकी खेती इस क्षेत्र में परवल की ही तरह प्रमुखता से की जा रही है। गर्मी में तो इसकी खेती विशेष रूप से फायदेमंद है। यही वजह है कि क्षेत्रीय किसान ग्रीष्मकालीन लौकी की खेती बड़े पैमाने पर किए हैं।

उन्नतशील किस्में

पूसा समर प्रोलिफिक राउंड : इसके फल गोलाकार हरे रंग के होते हैं। इसकी पैदावार 200 से 250 कुंतल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा कोमल : यह अगेती किस्म है जो 70 दिनों में तोड़ने लायक हो जाती है। इसके फल लम्बे होते हैं, उत्पादन औसतन 500 कुंटल प्रति हेक्टेयर होता है।

पूसा नवीन : इसका फल 800 से 850 ग्राम तक होता है। उत्पादन इसका भी 275 से 300 कुंतल प्रति हेक्टेयर होता है।

भूमि की तैयारी : खेत की ठीक ढंग से दो या तीन जोताई देशी हल से करनी चाहिए।

खाद उर्वरक : अच्छी प्रकार सड़ी हुई गोबर की खाद के अलावा 50 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो पोटास, 40 किलो फास्फोरस प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

बोआई का समय : इसकी बोआई जनवरी से मई तक करते हैं।

सिंचाई :

खेत की नमी के लिए गर्मी में हर सप्ताह सिंचाई जरूरी है।

रोग व रोकथाम :

चुर्णी फफूंद : लौकी की पत्तियों पर धुंधले आभायुक्त धब्बे दिखाई देना ही इसके प्रमुख लक्षण में शामिल है। इसकी रोकथाम के लिए कैल्शियम की 0.05 प्रतिशत अर्थात 1/2 मिली लीटर दवा एक लीटर पानी में घोलकर सात दिनों के अंदर छिड़काव करना चाहिए।

लालकीट :

यह प्रौढ़ कीट 5-8 मिली लम्बा होता है। कीट के ऊपर का हिस्सा नारंगी या लाल होता है। ये जनवरी से अप्रैल तक काफी सक्रिय होते हैं। मालाथियान चूर्ण पांच प्रतिशत या काबरिलय पांच प्रतिशत-25 किग्रा राख में मिलाकर सुबह में छिड़काव करना चाहिए।

प्लास्टिक लो टनल तकनीक से करें खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सब्जियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सब्जियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्धता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यतः वातावरण अनुकूलित ग्रीन हाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉली हाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेट हाउस, तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

लो प्लास्टिक टनल तकनीक

लो प्लास्टिक टनल ऐसी संरक्षित संरचना है जिसे मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारी के ऊपर कम ऊचाई पर प्लास्टिक की चादर ढक कर बनाया जाता है। यह फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बनाई जाती है। यह तकनीक उत्तर भारत के उन मैदानो में सब्जियो की बेमौसमी खेती के लिए बहूत उपयोगी है जहॉ सर्दी के मौसम में रात का तापमान लगभग 40 से 60 दिनो तक 8 डीग्री सें.ग्रे.से नीचे रहता है।

इस तकनीक बेमौसमी सब्जियों उगाने के लिए सबजियों की पौध को प्लास्टिक प्लग ट्रे तकनीक से दिसम्बर व जनवरी माह में ही तैयार किया जाता है।

ऐसी संरचना बनाने के लिए सबसे पहले ड्रिप सिंचाई की सुविधा युक्त खेत में, जमीन से उठी हुई क्यारियॉ उत्तर से दक्षिण दिशा में बनाई जाती हैं। इसके बाद क्यारियों के मध्य में एक ड्रिप लाइन बिछा दें। क्यारी के उपर 2 मी.मी. मोटे जंगरोधी लोहे के तारो या पतले व्यास के पाईपों को मोडकर हुप्स या घेरे इस प्रकार बनाते हैं कि इसके दो सिरों की दूरी 50 से 60 सेमी तथा मध्य से उचॉई भी 50 से 60 सेमी रहे। तारों के बीच की दूरी 1.5 से 2 मीटर रखनी चाहिए। इसके बाद तैयार पौध को क्यारियों में रोपाई करते है तथा दोपहर बाद 20-30 माईक्रोन मोटाई तथा लगभग 2 मीटर चौडाई की, पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढका जाता है। ढकने के बाद प्लास्टिक के लम्बाई वाले दोनो सिरों को मिट्टी से दबा दिया जाता है। इस प्रकार रोपित फसल पर प्लास्टिक की एक लघु सुरंग बन जाती है।

यदि रात को तापमान लगातार 5 डिग्री सें.ग्रे. से कम है तो 7 से 10 दिन तक प्लास्टिक में छेद करने की आवश्यकता नही है लेकिन उसके बाद प्लास्टिक मे पूर्व दिशा की ओर चोटी से नीचे की ओर छोटे छोटे छेद कर देते हैं। जैसे जैसे तापमान बढता है इन छेदों का आकार भी बढाया जाता है। पहले छेद 2.5 से 3 मीटर की दूरी पर बनाते है, बाद में इन्हे 1 मीटर की दूरी पर बना देते हैं। आवश्यकता अनुसार मौसम ठीक होने पर तापमान को ध्यान में रखते हुऐ , टनल की प्लास्टिक को फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह में पूरी तरह से हटा दिया जाता है। इस समय तक फसल काफी बढ चुकी होती है तथा कुछ फसलों में तो फलस्थापन भी आरम्भ हो चुका होता है। इस तकनीक से बेल वाली समस्त सब्जियों को मौसम से पहले या पूर्णत- बेमौसम में उगाना संभव है। विभिन्न बेल वाली सब्जियों में इस तकनीक से संभावित फसल अगेतापन इस प्रकार है

चप्पन कद्दू - 40 से 60 दिन
लौकी- 30 से 40 दिन
करेला- 30 से 40 दिन
खीरा- 30 से 40 दिन
खरबूजा- 30 से 40 दिन

यह तकनीक उत्तर भारत के समस्त मैदानों तथा खासकर बडे शहरों के आसपास सब्जी की खेती करने वाले किसानो के लिए बहुत लाभदायक है। इस तकनीक को अपनाने से पूर्व किसानो को इन बेल वाली सब्जीयों की पौध का भी संरक्षित क्षेत्र मे ही तैयार करना होगा। यह तकनीक उत्तर भारत के पहाडी क्षेत्रों के लिए भी लाभदायक इस प्रकार किसान प्लास्टिक लो टनल तकनीक से अगेती या बेमौसमी फसल उगाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं क्योकि अगेती व बेमौसमी फसलो का बाजार भाव अधिक रहता है।

अप्रैल में नियुक्तियों की संख्या में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले अप्रैल में नियुक्तियों की संख्या में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह रोजगार के अवसरों में सुधार का संकेत है। एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में मुख्य रूप से उत्पादन और मैन्यूफैक्चरिंग, स्वास्थ्य सेवा, रसायन और उर्वरक,इंजीनियरिंग, सीमेंट, निर्माण और खुदरा सहित अन्य क्षेत्रों में ज्यादा लोगों को नौकरी पर रखा गया।वहीं रिटेल, आटोमोटिव, रियल एस्टेट, आइटी और तेल, गैस, बिजली उद्योगों ने कम लोगों को नौकरी पर रखा। वहीं कृषि आधारित उद्योग, शिपिंग समुद्री, एफएमसीजी, प्रिंटिंग, पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में नियुक्तियों में गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल के मुकाबले स्टार्टअप की संख्या में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और स्टार्टअप ने भी युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इन नई कंपनियों द्वारा नियुक्तियों की कुल संख्या में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एलन मस्क ने कहा- अब एक्स पर पोस्ट कर सकते हैं फिल्म

नई दिल्ली । टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने ऐलान किया कि सोशल मीडिया एक्स यूजर्स फिल्म, टीवी सीरीज और पॉडकास्ट को प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर मोनेटाइजेशन के जरिए आय अर्जित कर सकते हैं। अपनी बहन टोस्का मस्क जो स्ट्रीमिंग सर्विस पेशनफ्लिक की सह-संस्थापक हैं, से मस्क ने कहा` कि यूजर्स अब एक्स पर फिल्म, टीवी सीरीज और पॉडकास्ट को आसानी से पोस्ट कर सब्सक्रिप्शन के जरिए मोनेटाइजेशन का फायदा उठा सकते हैं। टोस्का ने अगले पोस्ट में लिखा कि लोग अब एक्स पर फिल्म देख रहे हैं। यह काफी अच्छा है। कुछ यूजर्स ने इस दौरान मस्क को सलाह दी कि बिना सब्सक्रिप्शन लिए फिल्म देखने के लिए उन्हें एक वन टाइम फीस भी रखनी चाहिए। इसके अलावा मस्क ने अपने फॉलोअर्स को बताया कि एआई ऑडियंस फीचर जल्द ही आने वाला है। उन्होंने इस नए फीचर के बारे में बताते हुए कहा कि इसकी मदद से आप ऐड के लिए अपनी टारगेट ऑडियंस तक जल्द ही पहुंच सकते हैं। हमारा एआई सिस्टम कुछ ही सेकंड्स में आपके ऐड के लिए उपयुक्त यूजर्स का एक पूल तैयार कर देगा। बता दें` कि एलन मस्क ने एक्स (पूर्व ट्विटर) को अक्टूबर 2022 में खरीदा था। तब से लेकर अब तक मस्क कंपनी का नाम बदलकर एक्स कर चुके हैं। इसके साथ ही कंटेंट पोस्ट करने पर मोनेटाइजेशन जैसे कई फीचर्स को प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है।

भारतीय निजी इक्विटी, उद्यम पूंजी निवेश 2023 में 35 फीसदी घटा

नई दिल्ली । भारतीय निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी निवेश बीते वर्ष करीब 35 प्रतिशत घटकर लगभग 39 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2022 में यह 62 अरब डॉलर था। बेन एंड कंपनी और आईवीसीए की हाल ही में जारी एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार देश में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 2023 में 18 प्रतिशत घटकर 29.6 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2022 में यह 36 अरब डॉलर था। वहीं उद्यम पूंजी निवेश में गिरावट तेज रही। 2023 में कुल निवेश 9.6 डॉलर रहा जबकि 2022 में यह 25.7 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है` कि यह वैश्विक रुख के अनुरूप है। भारतीय निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी (पीई-वीसी) निवेश 2023 में लगभग 35 प्रतिशत कम होकर 39 अरब डॉलर रहा। यह 2022 में लगभग 62 अरब डॉलर था।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट सबसे सफल कारों में शुमार

-मासिक औसत बिक्री करीब 15 हजार यूनिट्स के आसपास

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट इस वक्त मार्केट में काफी पॉपुलर हैचबैक कार है। यह कंपनी की सबसे सफल कारों में शुमार है और अपनी बेहतरीन माइलेज के चलते खूब बिकती है। इसकी मासिक औसत बिक्री करीब 15 हजार यूनिट्स के आसपास है। दूसरी तरफ हम जिस कार की बात रहे हैं वह भी हर माह करीब 15-16 हजार यूनिट्स बिक रही है। हालांकि इन दोनों कारों की कीमत में करीब-करीब 2 लाख रुपये का अंतर है। स्विफ्ट की स्टार्टिंग एक्स-शोरूम कीमत 6.24 लाख रुपये हैं जबकि इस दूसरी कार की कीमत 8.15 लाख रुपये से शुरू होती है। दरअसल, हम जिस कार की बात कर रहे हैं वह टाटा मोटर्स की नेक्सॉन एसयूवी है। यह मौजूदा वक्त में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेग्मेंट की एक सबसे बेहतरीन कार है। इसे ग्लोबल सेफ्टी रेटिंग एनकैप के तरह 5-स्टार मिला हुआ है। सेफ्टी के मामले में यह अपनी सेग्मेंट की इकलौती कार है। इस कार की मजबूती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसमें मारुति की सबसे लोकप्रिय हैचबैक स्विफ्ट की तुलना में करीब-करीब डेढ़ गुना अधिक लोहे का इस्तेमाल किया गया है।

उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक स्विफ्ट की कर्ब वेट 875 किलो है। टेक्निकल भाषा में कर्ब वेट का मतलब होता है केवल गाड़ी का वजन। इस वजन को लेते समय गाड़ी में न तो कोई व्यक्ति रहता और न ही उसमें कोई अतिरिक्त एसेसरीज होती है। दूसरी तरफ नेक्सॉन का कर्ब वेट है 1250 से 1300 किलो है। यानी स्विफ्ट की तुलना में करीब-करीब डेढ़ गुना अधिक लोहे का इस्तेमाल हुआ है। इस तरह से देखें तो नेक्सॉन में बलेनो की तुलना में करीब-करीब 400 किलो अधिक लोहे का इस्तेमाल हुआ है। मौजूदा समय में टाटा नेक्सॉन पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक तीन वर्जन में उपलब्ध है। वहीं, बहुत जल्द इसके सीएनजी वैरिएंट को भी लॉन्च किया जा सकता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 8.15 लाख रुपये से शुरू होकर 15.80 लाख रुपये तक जाती है। इसके पेट्रोल मॉडल में 1.2 लीटर और डीजल में 1.5 लीटर का इंजन मिलता है।

गो डिजिट के आईपीओ के लिए कीमत दायरा तय

मुंबई।

साधारण बीमा कंपनी गो डिजिटल जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने शुक्रवार को 2,651 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए कीमत दायरा 258 रुपए से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया। कर्नाडा के फेयरफैक्स ग्रुप के समर्थन वाली कंपनी ने कहा कि आईपीओ 15 मई को खुलेगा और इसके लिए 17 मई तक आवेदन दिए जा सकेंगे। बड़े यानी एंकर निवेशकों के लिए यह 14 मई को खुलेगा। गो डिजिट के प्रस्तावित आईपीओ के तहत 1,125 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी किये जाएंगे। वहीं प्रवर्तक गो डिजिट इंफोवर्क्स सर्विसेज और मौजूदा शेयरधारक 1,490 करोड़ रुपए के 5.47 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। कीमत दायरे के उच्च स्तर पर आईपीओ का आकार 2,615 करोड़ रुपए बैठता है। कंपनी में गो डिजिट इंफोवर्क्स सर्विसेज की 83.3 फीसदी हिस्सेदारी है। नए निर्गम से प्राप्त आय का उपयोग कंपनी के पूंजी आधार को बढ़ाने और सॉल्वेंसी मार्जिन को बनाए रखने तथा सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा कंपनी के निवेशकों में शामिल हैं। वे आईपीओ में कोई शेयर नहीं बेच रहे हैं।

उपहार में दिए गए शेयर पर कैपिटल गेन टैक्स नहीं लगेगाः बॉम्बे हाई कोर्ट

- अदालत ने कर अधिकारियों द्वारा जारी किए गए पूनर्मूल्यांकन नोटिस रद्द किया

मुंबई ।

मुंबई के जय ट्रस्ट बनाम केंद्र सरकार से जुड़े एक मामले में बाम्बे हाई कोर्ट ने यह फैसला सुनाया कि कोई उपहार बदले में कोई राशि लिए जाने जैसे बिना शर्त वाले लेन-देन का मसला होता है, ऐसे में यह कैपिटल गेन टैक्स के दायरे में नहीं आता है। अदालत ने कर अधिकारियों द्वारा जारी किए गए पूनर्मूल्यांकन नोटिस को रद्द कर दिया जिसमें यह आरोप लगाए गए थे कि ट्रस्ट ने उपहार के रूप में शेयरों का ट्रांसफर कर एक विशिष्ट आयकर निर्धारण से बचने की कोशिश की। अदालत ने माना कि उपहार स्वैच्छिक तरीके से दिया जाता है और ऐसे में इसके बदले कोई रकम आदि पाने की आवश्यकता नहीं है। जिन चीजों के बदले कोई राशि हासिल होती है उसके आधार पर ही मुनाफे या लाभ को मापा जा सकता है। जिन पर कर निर्धारित किया जाना था उसने एक ट्रस्ट के नाते आमदनी पर शून्य रिटर्न दाखिल किया था जिसे स्वीकार करते हुए उसकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। दरअसल ट्रस्ट ने सरकारी सूचीबद्ध कंपनियों, यूनाइटेड फॉस्फोरस (यूपीएल) और यूनिफॉस एंटरप्राइजेज लिमिटेड (यूईएल) के शेयरों के ट्रांसफर नेरका केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड (एनसीपीएल) में किए थे। यह ट्रांसफर उपहार के तौर पर किया गया था और इसके बदले कोई रकम हासिल करने की बात नहीं थी। इसके बाद ट्रस्ट को एक नोटिस मिला और इसने मूल्यांकन की प्रक्रिया फिर से शुरू होने पर अपनी आपत्ति जताई। हालांकि मूल्यांकन अधिकारी ने इसे खारिज कर दिया। ट्रस्ट ने इसे अदालत में एक रिट याचिका के जरिये चुनौती दी। अदालत ने यह माना कि पूंजीगत संपत्ति, ऐसी पूंजीगत संपत्ति का हस्तांतरण और इस तरह के हस्तांतरण से होने वाले मुनाफे की तीनों शर्तें पूरी होती हैं तब पूंजीगत लाभ के तहत आयकर लगाया जा सकता है।

फ्लिपकार्ट ने विक्रेता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक पूरी तरह से नई प्रतिस्पर्धी और आसान रेट कार्ड नीति पेश की है

बेंगलुरु ।

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने एक बिल्कुल नई सरलीकृत रेट कार्ड नीति की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर विक्रेता अनुभव में क्रांति लाना और अधिक से अधिक निपटान स्पष्टता को सक्षम करना है।

नए रेट कार्ड की मुख्य विशेषताएं, जो 18 मई, 2024 से प्रभावी होंगी, एक सरलीकृत रेट कार्ड संरचना, आर्थिक एफबीएफ दरों की पेशकश करेगी, जो प्रतिस्पर्धी दरों पर बड़े पैमाने पर संचालन को सुव्यवस्थित करेगी, और एक अद्यतन शिपिंग नीति, जो सक्षम करेगी विक्रेता ग्राहकों को मूल्य में वृद्धि प्रदान करेंगे। सरलीकृत रेट कार्ड के माध्यम से यह परिवर्तनकारी परिवर्तन विक्रेताओं को सशक्त बनाने और उन्हें समान विकास के अवसर के लिए प्रोत्साहित करने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेगा।

विक्रेताओं को रेट कार्ड संशोधन के कार्यान्वयन और इसके लाभों को समझाने के लिए एक एकीकृत शैक्षिक नीति भी लागू की गई है। फ्लिपकार्ट बार-बार एक रिकॉर्डेड स्पष्टीकरण भी प्रदान करेगा, जिसमें नए रेट कार्ड संरचना के लाभों का विवरण और आगे बढ़ने के तरीके के बारे में चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका दी जाएगी। फ्लिपकार्ट की समर्पित विक्रेता सहायता टीम विक्रेताओं को उनके व्यवसाय को बढ़ाने से संबंधित निर्णय लेने में लगातार मदद करेगी। सूचनात्मक संसाधन और प्रत्यक्ष सहायता चैनल प्रदान करके, फ्लिपकार्ट का लक्ष्य विक्रेताओं को परिवर्तनों को समझने और निर्णय लेने में मदद करना है जो प्लेटफ़ॉर्म पर उनकी क्षमता को अधिकतम करते हैं।

इस नए कदम पर चर्चा करते हुए, फ्लिपकार्ट के उपाध्यक्ष और प्रमुख - मार्केटप्लेस, राकेश कृष्णन कहते हैं, "एक घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी के रूप में, हम जानते हैं कि विक्रेताओं के लिए ई-कॉमर्स के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य को नेविगेट करना कितना चुनौतीपूर्ण है यह परिवर्तन हमारे विक्रेता के साथ चल रही हमारी चर्चाओं का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है। जटिलता से बचकर और स्पष्ट विवरण सुनिश्चित करके, हमारा लक्ष्य फ्लिपकार्ट पर व्यापार करना आसान और अधिक फायदेमंद बनाना है। यह रेट कार्ड रीडिज़ाइन परिचालन को सुव्यवस्थित करने और पूरे भारत में विक्रेताओं के हमारे विशाल नेटवर्क के लिए समर्थन को मजबूत करने की फ्लिपकार्ट की पहल का हिस्सा है। इस बदलाव से व्यापार करने में आसानी होगी और संभावित बाजार पहुंच और उपभोक्ता जुड़ाव का विस्तार होगा। बढ़े हुए लाभों के साथ-साथ, हमें विश्वास है कि इससे प्रथम विक्रेताओं के लिए विकास के नए अवसर खुलेंगे और हमारे प्लेटफॉर्म पर बिक्री अनुभव प्रतिबिंबित होगा।"

थिंक एंड लर्न ने पाठ्यक्रम सदस्यता शुल्क में 30-40 प्रतिशत कटौती की

नई दिल्ली ।

शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने पाठ्यक्रम सदस्यता शुल्क में 30-40 प्रतिशत की कटौती करने के साथ बिक्री प्रोत्साहन को 50-100 प्रतिशत बढ़ा दिया है। बायजू के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी बायजू रवींद्रन ने 1,500 बिक्री सहयोगियों और प्रबंधकों के साथ एक बैठक में कारोबार विस्तार और लचीलेपन के लिए अपनी बिक्री रणनीति में बदलाव की घोषणा की है। घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने कहा` कि बायजू लिंनंग ऐप की वार्षिक सदस्यता अब 12,000 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है, जबकि बायजू क्लासेस और बायजू ट्यूशन सेंटर की पूरी कीमत समूचे साल के लिए क्रमश? 24,000 रुपये और 36,000 रुपये है। उन्होंने कहा कि इस तरह पाठ्यक्रम शुल्कों में लगभग 30-40 प्रतिशत की कटौती की गई है। कंपनी के मूल्यांकन में भारी गिरावट आने से पैदा हुए वित्तीय संकट से उबरने की कोशिश में लगे रवींद्रन ने पाठ्यक्रमों की बिक्री करने वाली टीम का प्रोत्साहन बढ़ाने के साथ उनका सारा बकाया चुकाने का भी वादा किया है। बायजू ने कहा` कि औसत बिक्री वेतन 40,000 रुपये प्रति माह है। आप कुछ पाठ्यक्रमों की बिक्री करें और आप अपने वेतन के साथ बकाया वेतन भी निकाल सकते हैं। इस मॉडल से अपने सालाना वेतन पैकेज की कई गुना राशि कमा सकते हैं। उन्होंने घोषणा की कि बायजू के बिक्री सहयोगियों को बिक्री के अगले दिन ही पूरी प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खातों में मिलेगी, जबकि प्रबंधकों को कंपनी से इसका 20 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। बायजू ने प्रबंधकों को निर्देश दिया है कि वे बिक्री टीम को समर्थन और सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोच के रूप में कार्य करें`। बायजू ने कर्मचारियों से कहा है कि वे किसी भी तरह के दुर्व्यवहार, जबरन बिक्री या प्रबंधकों के अशिष्ट व्यवहार की शिकायत सीधे उन्हें करें। इस घटनाक्रम के बारे में टिप्पणी के लिए बायजू को भेजे गए ईमेल का अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

गोल्ड लोन पर 20,000 से अधिक नहीं मिलेगा कैशः आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गोल्ड लोने देने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से कहा है कि इनकम टैक्स कानून के अनुसार गोल्ड लोन पर 20,000 रुपये से अधिक कैश का भुगतान न करें। आरबीआई ने इस हफ्ते की शुरुआत में गोल्ड लोन मुहैया कराने वाले फाइनेंसरों और माइक्रो फाइनांस को दी गई सलाह में इनकम टैक्स कानून की धारा 269 एसएस का पालन करने का निर्देश दिया है। मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार इनकम टैक्स एक्ट की धारा 269एसएस में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति पेमेंट के लिए बताए गए तरीकों के अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की ओर से की गई डिपॉजिट या लोन स्वीकार नहीं कर सकता है. इस धारा में कैश की मंजूर की गई लिमिट 20,000 रुपये है। आरबीआई की ओर से दी गई सलाह से कुछ सप्ताह पहले केंद्रीय बैंक ने आईआईएफएल फाइनेंस के निरीक्षण के दौरान कुछ चिंताएं नजर आने के बाद उसे गोल्ड लोन मंजूर करने या डिस्ट्रीब्यूट करने से रोक दिया था। आरबीआई की इस सलाह पर टिप्पणी करते हुए मणप्पुरम फाइनेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसमें कैश लोन देने के लिए 20,000 रुपये की लिमिट दोहराई गई है।

एयर इंडिया ने चालक दल के सदस्यों की वापस ली बर्खास्तगी

- कंपनी को अब तक 176 उड़ानें रद्द करनी पड़ी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मंगलवार की शाम छुट्टी लेने वाले चालक दल के 25 सदस्यों को नौकरी से निकाल दिया। लेकिन शाम होते-होते कंपनी ने अपने फैसला बदल दिया और उन्हें वापस नौकरी पर रख लिया। इस पूरे घटनाक्रम के कारण कंपनी को मंगलवार से अब तक 176 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। कर्मचारियों को वापस नौकरी पर रखने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ ने तत्काल कार्य शुरू करने का फैसला किया है। कंपनी ने यह फैसला मुख्य श्रम आयुक्त (मध्य) अशोक पेरूमाला के हस्तक्षेप के बाद लिया है, जिन्होंने विमानन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ के सदस्यों के साथ पांच घंटे की मैराथन बैठक की थी। गुरुवार की शाम पेरूमाला ने कार्यालय ने कहा कि विस्तृत चर्चा, अनुनय और सुलह अधिकारी और मुख्य श्रम आयुक्त (मध्य) की अपील के बाद संघ के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि बीमार होने की जानकारी देने वाले सभी चालक दल सदस्य फिटनेस प्रमाणपत्र के साथ तुरंत ड्यूटी शुरू करेंगे। पेरूमाला अपील के कारण विमानन कंपनी का प्रबंधन समेकित कार्रवाई के तौर पर चालक दल के 25 सदस्यों को तुरंत बहाल करने पर सहमत हुआ, जिन्हें 7 मई और 8 मई को बीमार होने की सूचना देने के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। बयान में कहा गया है कि विमानन कंपनी का प्रबंधन सेवा नियमों के अनुसार इन चालक दल के सदस्यों के मामलों की समीक्षा करेगा। विमानन कंपनी पेरूमाला को आश्वासन दिया कि चालक दल के सदस्यों ने प्रबंधन के समक्ष और सुलह

कार्यवाही के दौरान जो भी मुद्दे उठाए हैं उन्हें देखा जाएगा और उसका हरसंभव हल किया जाएगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रबंधन और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी यूनियन के बीच अगली बैठक 28 मई को होगी। 85 उड़ानें रद्द करने वाली विमानन कंपनी को उसकी मूल कंपनी एयर इंडिया ने सहायता की और वह उसके 20 मार्गों पर उड़ानें संचालित कर रही है। मंगलवार को 100 से अधिक चालक दल के सदस्यों आखिरी वक्त में बीमार होने की जानकारी देकर छुट्टी ली थी। नतीजतन, विमानन कंपनी को उड़ानों के संचालन में बाधाओं को सामना करना पड़ा।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.13 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर

और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

म्युचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 20 हजार करोड़ के पार

- बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों ने रिकॉर्ड 64 लाख एसआईपी खाते खोले

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड में निवेश सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किसी वित्तीय महीने में पहली बार 20,000 करोड़ रुपये से अे धिक हो गया है। बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों ने रिकॉर्ड 64 लाख एसआईपी खाते खोले। पिछले महीने खुले नए खातों की संख्या मार्च में पंजीकृत खातों के मुकाबले करीब 50 फीसदी ज्यादा रही। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत का म्युचुअल फंड उद्योग नए स्तर पर पहुंच गया है और एसआईपी खातों में निवेश अप्रैल 2024 में 20,000 करोड़ रुपये के पार निकल गया।

यह बताता है कि म्युचुअल फंड उद्योग की निवेशकों के बीच स्वीकार्यता बढ़ी है जो अपनी बचत का निवेश करने और लंबी अवधि में परिसंपत्ति सृजित करने के लिए एसआईपी अपना रहे हैं। मुख्य बेंचमार्क सूचकांकों ने अप्रैल की समाप्ति करीब 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ की जबकि 18 अप्रैल तक के चार कारोबारी सत्रों में उसने गिरावट दर्ज की थी। दोनों सूचकांक इन चार कारोबारी सत्रों में करीब 3.4 फीसदी फिसल गए थे। हालांकि ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश मासिक आधार पर 16 फीसदी घटकर 18,917 करोड़ रुपये रहा, जिसकी मुख्य वजह लार्जकैप फंडों से ज्यादा निवेश निकासी और न्यू फंड ऑफर (एएफओ) में हुए संग्रह में गिरावट है। एसबीआई म्युचुअल फंड के एक अे धिकारी के मुताबिक शुद्ध निवेश में गिरावट से संकेत मिलता है कि कुछ निवेशक मुनाफावसूली का विकल्प चुन रहे हैं और चुनाव नतीजों से पहले किनारे रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल में गर्मी और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौर में स्मार्ट मनी बाहर निकल जाता है। यह लार्जकैप फंडों से निवेश निकासी और आर्बिट्रेज फंडों में ज्यादा निवेश से स्पष्ट होता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एम्फी के आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर उद्योग ने 2.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया और अकेले लिक्विड फंडों में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया। मजबूत आवक और बाजार की चाल के कारण मार्क टु मार्केट लाभ के कारण कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 7 फीसदी की उछाल के साथ 57.3 लाख करोड़ रुपये हो गई।

सोना 72,100 और चांदी लगभग 85 हजार

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुक्रवार को तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 91 रुपये की तेजी के साथ 71,730 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 490 रुपये की तेजी के साथ 72,129 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 262 रुपये की तेजी के साथ 84,761 रुपये पर खुलने के बाद 636 रुपये की तेजी के साथ 85,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,353.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,340.30 डॉलर था।` फिलहाल यह 17 डॉलर की तेजी के साथ 2,357.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.58 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.36 डॉलर था। फिलहाल यह 0.22 डॉलर की तेजी के साथ 27.58 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को कप्तान श्रेयस अय्यर की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपने घरेलू मैदान पर हार्दिक पंड्या की मुम्बई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी। केकेआर अंक तालिका में अभी 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं मुम्बई की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

इस सत्र में केकेआर और मुंबई के बीच ये दूसरा मैच होगा जिसमें इससे पहले वाले मुकाबले को कोलकाता ने 24 रनों से जीता था जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अंक तालिका में केकेआर की टीम ने 11 मैचों में 8 जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी जगह तकरीबन पक्की की है। वहीं मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम है।

कोलकाता को अपने पिछले 3 मुकाबलों में जीत मिली है। पिछले मैच में केकेआर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 98 रन से हराया था। ऐसे में टीम में बदलाव की उम्मीद नहीं है। टीम के पास बेहतर संतुलन है और खिलाड़ी भी लय में हैं। यह इस सीजन कोलकाता का आखिरी घरेलू मैच भी होगा।

केकेआर का प्रयास इस मैच में मुम्बई को बड़े अंतर से हराना रहेगा।

वहीं मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में नहीं हैं। उसके गेंदबाजों के लिए केकेआर के सुनील नरेन, फिल साल्ट और अंगकृष रघुवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना संभव नहीं होगा।

इस मैच में मुम्बई उन खिलाड़ियों को भी आराम दे सकती है, जिन्हें टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

इसमें लगातार खेल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है क्योंकि टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर है। इसके अलावा पीयूष चावला की जगह कुमार कार्तिकेय प्लेइंग 11 का हिस्सा बन सकते हैं। दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुम्बई के खिलाड़ी इस मैच को जीतकर केकेआर को झटका देना चाहेंगे। इस मैच में मुम्बई के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। पंड्या का प्रयास भी टी20 विश्वकप से पहले अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी को बेहतर बनाना रहेगा।

टीम

कोलकाता नाइटराइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), फिल साल्ट (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, मिचेल स्टार्क, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

इम्पैक्ट प्लेयर-वैभव अरोड़ा

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, नुवान तुषारा।

इम्पैक्ट प्लेयर-डेवाल्ड ब्रेविस

पंजाब पर जीत से आरसीबी के प्लेऑफ की संभावनाएं बरकरार

-हमने अपने को साबित किया : डु प्लेसिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। धर्मशाला (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यहां हुए अहम मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ की रेस में अपने को बनाये रखा है। इस मैच में आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की अहम भूमिका रही। विराट के 92 रन की सहायता से टीम ने 241 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम 181 रन ही बना पायी। इस प्रकार वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। जीत से उत्साहित आरसीबी के कप्तान डु प्लेसिस ने मैच के बाद कहा कि यह एक अच्छा खेल था और हमने अपने को साबित किया है। हमने पिछले कुछ मैचों में लगातार 200 से अधिक का स्कोर बनाया है। हमारी रणनीति सफल रही। हमने पिछली गलतियों से सबक सीखा। आज आक्रामकता की जरूरत थी जो हमने अपनायी। गेंदबाजी करते हुए हमने सिर्फ विकेट लेने के बारे में बात की।

डुप्लेसिस ने कहा कि गेंदबाजी विभाग में हमारे पास 6 से 7 विकल्प हैं। हमें थोड़े से भाग्य का साथ भी जरूरी है। टूर्नामेंट की शुरुआत में हमारे पास कुछ लोग थे जो विकेट और रन की तलाश में थे। लड़कों ने इसे बदलने का काम किया है। हर कोई रन बना रहा है और गेंदबाज विकेट ले रहे हैं। हमारे लिए अपने पर ध्यान केंद्रित करना अहम है। हम जिस शैली में खेलना चाहते हैं, उसी पर बरकरार रहना चाहते हैं, अगर हम ऐसा करते हैं तो यह साबित होगा कि हम वास्तव में एक अच्छी टीम हैं।

टी20 विश्व कप में हसरंगा करेंगे श्रीलंकाई टीम की कप्तानी , पाथिराना भी शामिल

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम की कप्तान स्पिनर वानिंदु हसरंगा को बनाया गया है। पथिराना के चयन पर इसलिए भी सवाल उठे हैं क्योंकि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते समय वह चोटिल हो गये थे। इसके बाद वह आईपीएल सत्र से भी बाहर हो गये थे। टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद यह पथिराना स्वदेश लौट गये थे। उन्होंने चेन्नई की तरफ से केवल 6 मैच में 13 विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 7.68 रहा। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी हुई है। चोटिल होने के कारण वह आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। इसके अलावा कप्तान हसरंगा भी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्हें भी चोटिल होने के कारण आईपीएल से हटना पड़ा था। टी20 विश्वकप में श्रीलंकाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल के साथ ग्रुप डी में शामिल किया गया है और वह 3 जून को न्यूयॉर्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है - वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चैरिथ असलांका (उप-कप्तान), कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना, दिलशान मधुशंका।

रिजर्व खिलाड़ी- असिथा फर्नांडो, विजयकांत वियास्कंथ, भानुका राजपक्षे, जेनिथ लियानागे।

द्रविड़ को मुख्य कोच पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा : जय शाह

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगर टी20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नए कोच की नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। द्रविड़ का करार शुरू में दो साल का था लेकिन उन्हें और सहयोगी स्टाफ को नवंबर में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद कार्यकाल में विस्तार दिया गया।

शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में कहा, 'हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवाएंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिए, तीन साल के लिए।' उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है लेकिन अंत में फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं। शाह ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में अलग अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा।' उन्होंने कहा, 'यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिए तो मैं दखल नहीं दूंगा।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिए। अटकलें लगने दीजिए लेकिन मुझे यहां रहने दीजिए। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं।'

मेजर क्रिकेट लीग में खेलेंगे मैक्सवेल

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जुलाई में अमेरिका में होने वाली मेजर क्रिकेट लीग में खेलते हुए दिखेंगे। मैक्सवेल आईपीएल 2024 सत्र के बीच में ही शारीरिक और मानसिक थकान का हवाला देकर इससे अलग हो गये हैं। वह इस आईपीएल सत्र में गेंद और बल्ले से विफल रहे थे। मैक्सवेल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11 करोड़ की मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके बाद भी मैक्सवेल को मेजर लीग टीम वॉशिंगटन फ्रीडम ने अपनी टीम में शामिल किया है। ये लीग टी20 विश्व कप के बाद अमेरिका में खेली जाएगी। वॉशिंगटन फ्रीडम टीम में ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ भी खेलेंगे। वहीं, टीम के कोच रिकी पोंटिंग होंगे। ये लीग 4 जुलाई से शुरू होगी। ये इस लीग का दूसरा सीजन होगा।

ओलंपिक चयन के लिए ट्रायल शनिवार से, कुल 37 पिस्टल और राइफल निशानेबाज लेंगे हिस्सा

भोपाल। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजों के ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) तीन और चार यहां शनिवार से शुरू होंगे जिसमें कुल 37 पिस्टल और राइफल निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाजों ने पिस्टल और राइफल में 16 कोटा स्थान हासिल कर लिए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ देश में शीर्ष पांच के बीच ट्रायल करा रहा है ताकि पेरिस ओलंपिक के लिये टीम चुन सके। निशानेबाजी में ओलंपिक कोटा देश को मिलता है और चयन ट्रायल में शीर्ष रहने पर ही कोटा जीतने वाले निशानेबाज के खेलों में भाग लेने की गारंटी होती है। हर स्पर्धा में शीर्ष दो निशानेबाज पेरिस का टिकट कटाएंगे। पहले दो ट्रायल दिल्ली में पिछले महीने हुए हैं और अगले दो यहां मप्र प्रदेश निशानेबाजी अकादमी में होंगे। महिला वर्ग में ओलंपियन मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान 25 मीटर स्पोर्टर्स पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल में भाग लेंगी। पुरुषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू नजर आएंगे।

बॉलीवुड का प्रशंसक नहीं पर मुझे भारत से प्यार : लारा

मुम्बई। वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों को भारत काफी पसंद है। इन्हीं में दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा भी शामिल हैं। लारा आजकल आईपीएम में कमेंट्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बॉलीवुड का प्रशंसक नहीं हूं। मेरे देश में काफी भारतीय हैं, इसलिए बॉलीवुड को लेकर काफी रुचि है। मैं अंग्रेजी फिल्मों का भी शौकीन नहीं हूं। मैने हैरी पॉटर जैसी सीरीज नहीं देखी है। उन्होंने कहा, ' मुझे भारत में मिलने वाला प्यार पसंद। उन्होंने कहा, 'जब भी आप भारत आते हैं तो जिस तरह से आप पर स्नेह बरसाया जाता है। आप किसी भी कोने में जाएं, आपको देखकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ जाती है। यह बहुत अच्छा लगता है और बहुत सकारात्मक भी है। लारा ने कहा, 'भारत में आने से मुझ पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मियामी बीच पर टहलते हुए हर कोई आपको धक्का देकर आगे बढ़ना चाहेगा लेकिन भारत में हर कोई आपकी ओर खिंचा चला आएगा। सनराइजर्स हैदराबाद के साथ बतौर कोच उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा पर उनकी नजर में यह टीम इस साल आईपीएल नॉकआउट में पहुंच सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं साफ कर देना चाहता हूं क्योंकि आपको लगेगा कि सनराइजर्स के साथ मेरा संबंध इतना खराब रहा लेकिन मैं चाहता हूं कि यह टीम आईपीएल में अच्छा करे। उन्हे छोले भटूरे पसंद हैं।

पहले की तरह नहीं लेकिन कोहली अभी भी जबर्दस्त खिलाडी है : टॉम मूडी

धर्मशाला (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी का मानना है कि विराट कोहली की भी अपनी सीमायें हैं लेकिन भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने ट्रेनिंग को लेकर अपनी प्रतिबद्धता के दम पर उसकी भरपाई कर दी है। अपनी दमदार स्लॉग स्वीप के जरिये कोहली बीच के ओवरों में स्पिनरों को बखूबी खेल रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को 47 गेंद में 92 रन की पारी खेली और डीप मिड विकेट से सटीक थ्रो पर शशांक सिंह को रन आउट भी किया। मूडी ने 'स्टार स्पोर्टस क्रिकेट लाइव' पर कहा ,'' यह शानदार है। वह अब पहले की तरह वाला विराट कोहली नहीं है लेकिन अब वह 21 साल का भी नहीं है। वह 30 पार है लेकिन अभी भी ऐसा प्रदर्शन लाजवाब है।''

उन्होंने कहा ,'' डीप से दौड़कर आना और इस तरह का थ्रो फेंकना आसान नहीं है। यह असाधारण है।'' कोहली के अब आईपीएल के इस सत्र में 12 मैचों में 634 रन हो गए जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ 11 मैचों में 541 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। मूडी ने कहा ,'' वह सिर्फ फील्डर नहीं है बल्कि बल्लेबाज भी है। उसने 92 रन की बेहतरीन पारी खेली और इतने समय बल्लेबाजी करने के बावजूद मैदान पर इस तरह कोई और भाग नहीं सकता। दूसरी पारी में भी उसने गजब का फोकस, उत्साह, फिटनेस और चपलता बनाये रखी और इस तरह का रन आउट किया।

ईशान-अय्यर को केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखने का फैसला किसका, जय शाह ने किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखने का फैसला मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का था। बीसीसीआई से निर्देश मिलने के बावजूद घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेलने पर ईशान और अय्यर को अनुबंध से बाहर रखा गया।

ईशान पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद लंबे ब्रेक पर चले गए और आईपीएल में ही लौटे। वहीं अय्यर ने रणजी ट्रॉफी में सेमीफाइनल और फाइनल समेत मुंबई के लिए कुछ मैच खेले। मुंबई टीम जब रणजी खेल रही थी तब अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुंबई शिविर में भाग ले रहे थे।

शाह ने बीसीसीआई कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा, 'आप संविधान देख सकते हैं। मैं चयन समिति की बैठक बस बुलाता हूं।' उन्होंने कहा, 'वह फैसला अजित अगरकर का था। जब इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला तो उन्हें बाहर रखने का फैसला अगरकर का ही था। मेरा काम बस उस पर अमल करने का है। हमें संजू सैमसन जैसा अच्छा खिलाड़ी मिल गया। कोई भी अपरिहार्य नहीं है।'

शाह ने कहा कि उन्होंने बाद में दोनों खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे बात की। मीडिया में रिपोर्ट भी आई थी। हार्दिक पांड्या ने भी कहा था कि अगर बीसीसीआई सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए उन्हें चुनता है तो वह विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार है। हर खिलाड़ी को खेलना होगा, भले ही वह नहीं चाहता हो।'

गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच के बाद उन्होंने ईशान से क्या बातचीत की, यह पूछने पर उन्होंने कहा, 'मैंने उसे कोई सलाह नहीं दी। यह दोस्ताना बातचीत थी कि उसे अच्छा खेलना चाहिए। मैं सभी खिलाड़ियों से ऐसे ही बात करता हूं।'

वेंगसरकर ने यशस्वी को प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया

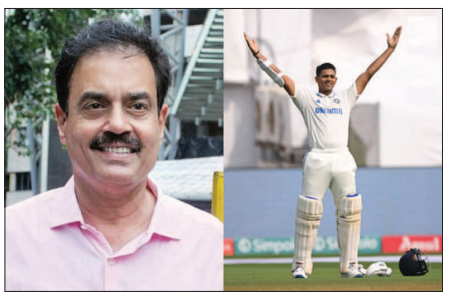

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक जुमीन से जुड़ा प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया है। वेंगसरकर ने कहा कि उन्होंने यशस्वी को अंडर 14 खेलने के दिनों से देखा है। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसका ध्यान हमेशा अपने खेल पर ही रहता है। यशस्वी ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वेंगसरकर ने कहा कि मैं उसे अपनी अकादमी के साथ इंग्लैंड ले गया था। वह काफी अच्छा खिलाड़ी है जिसका ध्यान अपने लक्ष्य पर रहता है। एक खिलाड़ी के रूप में वह बहुत भावुक और जमीन से जुड़ा हुआ है। आईपीएल के इस सत्र में यशस्वी शुरुआती मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद लय में आये और उन्होंने 11 मैचों में 32.00 की औसत और 157.63 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और अर्धशतक के साथ ही 320 रन बनाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन रहा है। भारतीय टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में इस बल्लेबजा ने 17 मैचों में 161.93 के स्ट्राइक रेट से एक शतक और चार अर्धशतक के साथ 502 रन बनाए हैं। उसे अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 विश्वकप के लिए शामिल किया गया है। अब देखना है कि यशस्वी का प्रदर्शन वहां कैसा रहता है।

माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की जून में नीलामी होगी

रियो डि जिनेरो। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का साल 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उनकी कप्तानी में ही टीम ने 1986 में विश्वकप जीता था। इस जीत में माराडोना की अहम भूमिका रही थी। नीलामी घर अगुटेस हाउस के अनुसार गोल्डन बॉल ट्रॉफी पिछले काफी समय से गायब भी पर अचानक ही ये मिल गयी। माराडोना को ये ट्रॉफी 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए दी गयी थी। नीलामी घर को उम्मीद है कि ट्रॉफी की नीलामी में भारी रकम मिलेगी। विश्वकप टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। पिछले काफी समय से ये गोल्डन बॉल ट्रॉफी गायब थी जिसको लेकर अलग-अलग बातें कही गयी थीं। कुछ का कहना था कि ये ट्रॉफी एक पोकर मैच के दौरान खो गई थी या कर्ज चुकाने के लिए इसे बेच दिया गया था। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि माराडोना जब इटली की एक लीग में खेल रहे थे तो उन्होंने इसे नेपल्स बैंक की एक तिजोरी में रखा था जिसे 1989 में स्थानीय अपराधियों ने लूट लिया था। उसी में ये ट्रॉफी भी थी।

भारतीय हॉकी स्टार अमित रोहिदास कैसे बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फर्स्ट रशर और पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी स्टार अमित रोहिदास का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जहां सीमित साधन ही उपलब्ध थे। उनके पास सिर्फ एक ही विकल्प था, वो ये कि परिवार की किस्मत को बदलने के लिए जोखिम जरुर उठाए। उन्होंने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व ओर्लंपियन, दिलीप टिर्की, जो कि ओडिशा के सुंदरगढ़, रोहिदास के ही गांव हैं, से प्रेरित होकर हॉकी को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। हॉकी में उन्होंने सबसे मुश्किल काम को चुना था, जो कि पहला धावक बनने के साथ एक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ बनना था।

एक ऐसा खेल जिसमें पेनल्टी कॉर्नर सबसे लोकप्रिय स्टेल में शामिल है, यहां पहले दौड़ने वाले का काम सीधे ड्रैग-फ्लिकर पर दौड़ना और शॉट मारना होता है। खासतौर से जब गेंद 100 किमी प्रति घंटे की भी अधिक गति से आती है तो डर की आंखों में देखना उसका काम है, न कि घबराना और स्ट्रोक को रोकना, भले ही इसके लिए शरीर पर दर्दनाक प्रहार का सामना करना पड़े।

जानें रोहिदास के बारे में

रोहिदास ने 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और अब तक 171 मैच खेले हैं, जिसमें 28 गोल किए हैं, जिनमें से अधिकांश पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। वर्ष 2017 से अपनी पोजिशन पर वो नियमित हैं जहां उन्होंने अपने मजबूत बचाव के साथ जगह पक्की कर ली है। वो टीम का एक अभिन्न अंग है। टीम के लिए उनकी सबसे बड़ी उपयोगिता फर्स्ट रशर के रूप में उनका अटूट प्रदर्शन है जिसने उन्हें दुनिया में काम में सर्वश्रेष्ठ बना दिया है। उन्होंने कहा कि अगर मैं पिच से बाहर हूं, तो मनप्रीत (सिंह) को पहला रशर नामित किया गया है, लेकिन अगर मैं पिच पर हूं, तो मैं पहला रशर हूं। यह टीम और कोच द्वारा तय किया गया है। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक मैच में भारत द्वारा जर्मनी को हराने के पीछे रोहिदास की बहादुरी प्रमुख ताकतों में से एक थी।

फर्स्ट रशर का सिक्रेट

उन्होंने कहा कि ये काफी मेहनत वाली नौकरी है। अगर झटका खाने के बाद भी आगे नहीं बढ़ सकते हैं तो सबसे पहले ऐसा खिलाड़ी बनना होगा जो दौड़ने में माहिर हो। ये जोखिम भरा काम है, जिसके लिए लंबा संघर्ष करना होता है। इसके लिए खुद पर आत्मविश्वास भी होना जरुरी है। आमतौर पर एक गेंद 100 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से आती है। इस गेंद के पीछे दौड़ते समय सबसे महत्वपूर्ण बात सही तकनीक का होना है। रन तब बनता है जब गेंद ड्रैग-फ्लिकर की ओर खेली जाती है लेकिन रन के पीछे की योजना बहुत पहले से शुरू हो जाती है। आम तौर पर यह माना जाता है कि रशर्स की निगाहें पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ पर टिकी होती हैं। रोहिदास बताते हैं कि रशर्स का ध्यान पुशर पर अधिक होता है। पुशर या इंजेक्टर वह होता है जो ड्रैग-फ्लिक के लिए गेंद को बैकलाइन से सर्कल के किनारे तक पास करता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ड्रैग-फ्लिकर पर नहीं, बल्कि पुशर पर कड़ी नज़र रखें। ये पोजिशन बहुत अहम है क्योंकि अगर खिलाड़ी धक्का वाले को ध्यान से नहीं देखेंगे तो चोट लगने का खतरा रहता है। हमें धक्के की गति पर ध्यान देना होगा और फिर जांचना होगा कि कौन सी पेनल्टी कॉर्नर बैटरी शॉट ले रही है - क्या यह पहला है या दूसरा? कौन सी बैटरी शॉट ले रही है उसके अनुसार आपको अपनी दिशा बदलनी होगी। रोहिदास बताते हैं कि यदि आप अकेले दौड़ रहे हैं, तो आपको दोनों पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों को रोकने की कोशिश करनी होगी। एक बैटरी प्रणाली में सर्कल के किनारे पर ड्रैग-फ्लिकर और स्टॉपर होते हैं। डबल बैटरी प्रणाली में, टीमें विरोधियों को भ्रमित करने या विविधताओं को अंजाम देने के लिए पीसी के दौरान दो पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों को तैनात करती हैं।

••सूरत शहर में कई जगहों पर मनाई गई परशुराम जन्म जयंती••

उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज द्वारा डिंडोली जकातनाके पर मनाया गया भगवान परशुराम की जन्म जयंती

सुरत भुमि, सूरत। शहर के डिंडोली विस्तार में जूना जकातनका पर पिछले साल की तरह इस वर्ष भी भगवान परशुराम की जन्म जयंती अक्षय तृतीया के दिन मनाई गई। जिसमें ब्राह्मण समाज के सभी बच्चे व बूढ़े लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर यहां पर उपस्थित सभी लोग पहले भगवान परशुराम की पूजा अर्चना किया और इसके बाद संध्या भजन में महान गायक कलाकार भजन सम्राट मदन गिरी और उनकी टीम के द्वारा वहां पर उपस्थित जनता को अपनी कला के सुंदर प्रदर्शन से सभी समाज के लोगों का ध्यान भक्ति में आकर्षित कर दिया। उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ व्यक्ति श्री राम नरेश मिश्रा व राजा राम मिश्रा का समाज के सभी लोगों द्वारा स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम को समाज के तमाम लोगों की सहायता से शंकर दुबे जी ने सफल बनाया।

भेस्तान विस्तार में उत्कल ब्राह्मण समाज में दिखाई दी खुशी की लहर

सुरत भुमि, सूरत। शहर के भेस्तान विस्तार में प्रियंका चार रस्ता के पास मलबेरी हेवन बिल्डिंग में स्थित उत्कल ब्राह्मण परिवार द्वारा 10 मई के दिन शुक्रवार को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर समाज के लोगों द्वारा महादेव जी के मंदिर से शाम 4:00 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें समाज की हजारों महिलाओं ने भाग लिया था और बड़ी भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो महादेव मंदिर से कार्यालय पर स्थित कार्यक्रम स्थल पर जाकर शाम 7:00 बजे दीप प्रज्वलित करके भगवान श्री परशुराम की पूजा अर्चना करके आरती की गई और देर रात तक भक्तों को भोजन प्रसाद वितरण तथा संगीत कार्यक्रम किया गया। सूरत शहर में बहुत कम आबादी में निवास करने वाले उत्कल ब्राह्मण परिवार 100% में अपनी उपस्थिति दर्शाकर बड़े हर्षोल्लास के साथ भगवान परशुराम की जन्म जयंती समारोह का कार्यक्रम संपन्न करके अपनी एकता तथा अखंडता का अच्छा परिचय दिए। यह कार्यक्रम संपूर्ण उत्कल ब्राह्मण परिवार द्वारा किया गया इसमें तमाम अन्य समाज के लोग एकत्रित भगवान परशुराम की पूजा अर्चना आरती करके भक्ति संगीत का आनंद लेते हुए भगवान परशुराम के प्रसाद ग्रहण करके आशीर्वाद प्राप्त किया और धूमधाम से खुशियां मनायी।

एक्सक्लूसिव ओटीटी प्रीमियर के साथ शेमारूमी बना गुजराती मनोरंजन का मजबूत केंद्र

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती नज़र आ रही है, शेमारूमी ने इस गर्मी में अपनी तीन सुपरहिट फिल्में - 'वश', 'लगन स्पेशल' और 'कामथान' की विशेष स्ट्रीमिंग के साथ मनोरंजन की दुनिया में गर्मी बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हर शैली को ध्यान में रखते हुए, ये फिल्में दर्शकों को उनकी सीटों से बांधे रखने और स्क्रीन से जोड़े रखने का वादा करती हैं।

शेमारूमी पर 'वश' के डिजिटल प्रीमियर के बाद, जून में 'लगन स्पेशल' की रिलीज के लिए तैयार रहें, जबकि 'कामथान' के जल्द ही इस ऐप पर लॉन्च होने की उम्मीद है। मल्हार ठक्कर, हितु कनोडिया, संजय गोराडिया, हितेन कुमार, जानकी बोडीवाला, नीलम पांचाल, पूजा जोशी और गुजराती सिनेमा के कई अन्य प्रमुख सितारों के ज़बरदस्त प्रदर्शन के लिए तैयार हो जाएं। शेमारूमी पर हाल ही में रिलीज हुई वश एक मनोरंजक अलौकिक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जो प्रशंसित कृष्णदेव याग्निक द्वारा निर्देशित है, जिसमें जानकी बोडीवाला, हितेन कुमार, हितू कनोडिया और नीलम पांचाल अविस्मरणीय भूमिकाएँ निभाई हैं। न केवल गुजरात में बल्कि पूरे भारत में प्रशंसा हासिल करने के बाद, यह अपनी सार्वभौमिक अपील के साथ भाषा की बाधाओं को तोड़ता है। रोंगटे खड़े कर देने वाली इसकी कहानी और भयावह दृश्यों के साथ, गुजराती मास्टरपीस थ्रिलर शैली के प्रशंसकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनने के लिए तैयार है। वश एक खुशहाल परिवार की कहानी को बयां करती है, जिसकी शांति रहस्यमय प्रताप (हितेन कुमार द्वारा भिनित किरदार) द्वारा भंग कर दी जाती है, जिससे अच्छे और बुरे के बीच की लड़ाई शुरू हो जाती है। ऐसे में देखना होगा कि क्या यह परिवार इस चुनौती के आगे अपने घुटने टेक देगा, या बुराई पर विजय पाने के लिए लड़ेगा?

लगन स्पेशल के साथ रोमांस के ऐसे जादू का अनुभव करें जिसे पहले कभी नहीं किया गया, यह एक दिल छू लेने वाला पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा है जिसमें गुजरात के दिल की धड़कन मल्हार ठक्कर के साथ-साथ प्रतिभाशाली पूजा जोशी, मित्रा गढ़वी और अन्य कलाकार भी शामिल हैं। नए नवेले शादीशुदा जोड़े शेखर और सुमन के जीवन में तब उथल-पुथल मच जाती है जब सुमन को पता चलता है कि शेखर में उसके लिए भावनाएं नहीं हैं। शादी के अचानक टूटने के बाद, शेखर को सुमन का विश्वास वापस जीतने की एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है।

"बाफ्टा ब्रेकथ्रु" चौथे साल भारत पहुंचा

सुरत भुमि, सूरत। परदे पर पेश की जाने वाली कला के लिए यूके की अग्रणी चैरिटी बाफ्टा, नेटफ्लिक्स के साथ साझेदारी में भारत में चौथे साल अपना ब्रेकथ्रू प्रोग्राम लेकर आया है। बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया, देशभर में फिल्मों, गेम्स तथा टेलीविजन उद्योग में नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली प्रोफेशनल्स की खोज करता है और उन्हें आगे लेकर आता है। इस साल दूसरी बार, बाफ्टा ब्रेकथ्रू प्रोग्राम ने भारत, यूएस तथा यूके क्षेत्रों के लिए एक साथ आवेदन जारी किए हैं।

बाफ्टा ने अपने मेंटरशिप व टैलेंट प्रोग्राम के माध्यम से कई सारे रचनाशील लोगों को अपनी कला में आगे बढ़ने के लिए उनका मार्गदर्शन किया है। इसके लिए उन्होंने प्रोग्राम तैयार किया है जोकि उनके संबंधित क्षेत्र में दाखिल होने वाली रुकावटों को दूर करता है, उनकी कला को निखारता है और उनके कॅरियर को गति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बनाने में उनकी मदद करता है।

इस प्रोग्राम से जुड़ने वाले इंडस्ट्री के दिग्गजों से मुलाकात कर पाएंगे और सामूहिक बातचीत में हिस्सा ले पाएंगे। उन्हें अपनी प्रोफेशनल तथा रचनात्मक कला को निखारने के लिए पेशेवर कोचिंग मिलेगी। उन्हें बाफ्टा के 12 महीनों के प्रोग्राम के दौरान सभी ट्रेनिंग, डेवलपमेंट तथा नेटवर्किंग कार्यक्रमों में जाने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही बाफ्टा मेंबरशिप के तहत उन्हें दुनियाभर के इंडस्ट्री के सदस्यों के साथ जुड़ने का भी अवसर मिलेगा।

टिम हंटर, बाफ्टा एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लर्निंग, इन्क्लूजन, पॉलिसी एवं मेंबरशिप का कहना है: "हमें यह कहते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया, एक बार फिर आवेदन आमंत्रित कर रहा है। इसके लिए हम नेटफ्लिक्स के आभारी हैं। यह पहल हमें भारत के फिल्म, टेलीविजन और गेम उद्योगों में काम कर रहे रचनात्मक लोगों के एक समूह को निखारने और उनकी प्रतिभा को दुनियाभर के सदस्यों के सामने प्रस्तुत करने का मौका देगी- इस साल के अंत तक इसे जारी किया जाएगा।"

मोनिका शेरगिल,वाइस प्रेसिडेंट, कंटेंट, नेटफ्लिक्स इंडिया का कहना है: "बाफ्टा ब्रेकथ्रू प्रोग्राम, नेटफ्लिक्स के भावी रचनात्मक लोगों को सशक्त बनाने और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक उन्हें पहुंचाने की सोच से पूरी तरह मेल खाता है। पिछले चार सालों में जिस तरह की प्रतिभाओं को देखने का मौका मिला है, वह इस प्रोग्राम की सफलता बयां करती है। बाफ्टा के साथ इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए और भारतीय रचनाकारों की अगली पीढ़ी को तलाशने व उन्हें निखारने में हमें बेहद खुशी महसूस हो रही है।"

गुनीत मोंगा कपूर, फाउंडर एवं सीईओ, सिख्या एंटरटेनमेन्ट, फिल्म निर्माता एवं ब्रेकथ्रू इंडिया एम्बेसडर का कहना है, "भारत में प्रतिभाओं की खान है, जिसका प्रमाण ब्रेकथ्रू के पिछले तीन संस्करणों में देखने को मिला है। मैं एक ऐसे दौर में बड़ी हुई हूं जहां इस तरह के मौके नहीं मिलते थे। मैं भारत में फिल्म, टेलीविजन और गेम्स की दुनिया के रचनाशील लोगों की अगली पीढ़ी को इस साल के प्रोग्राम में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। बाफ्टा ब्रेकथ्रू, हमारी इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाले युवाओं को बेहतरीन संसाधन मुहैया कराता है और मैं यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं कि इस साल प्रतिभागी अपनी कला को निखारने के लिए उन मौकों का फायदा कैसे उठाते हैं। साथ ही कैसे भारतीय स्क्रीन उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लेकर जाते हैं।"

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड ने GAC-01 का अनावरण किया

नवी मुंबई। ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएस) को जीएसी-01 पेश करने पर गर्व है, जो अल्फा कार्बन ब्रांड नाम के तहत इसकी अभिनव उत्पाद श्रृंखला का नवीनतम संयोजन है। जीएसी-01 जल उपचार निस्पंदन मीडिया में एक नवाचार का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें त्याग किए गए बायोमास फीडस्टॉक्स, विशेष रूप से नारियल की भूसी से बने बायोमास-आधारित सक्रिय कार्बन ग्रैन्यूल शामिल हैं।

संजीवक कार्बोनाइजेशन सिस्टम्स (एससीएस) की कंपनी ओआरएस द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए, जीएसी-01 विभिन्न गुणों और शुद्धता के साथ सक्रिय कार्बन प्रदान करता है जो जल उपचार अनुप्रयोगों के लिए तैयार किया गया है। नियंत्रित प्रक्रिया सेटिंग्स के तहत खास प्रकारके इन्जीनीयरींग द्वारा तैयार किया गया, GAC-01 पानी से दूषित पदार्थों को सोखने में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है, जिससे यह पीने योग्य पानी के उत्पादन और अपशिष्ट जल उपचार सुविधाओं में शुद्धिकरण प्राप्त करने के लिए एक अत्यधिक प्रभावी और लागत प्रभावी समाधान बन जाता है।

"जीएसी-01 के साथ कंपनी ने बायोमास को ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन-आधारित व्युत्पन्न उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए विस्तृत माइक्रोबियल कार्बोनाइजेशन सिस्टम तैयार किया है, जो समुदायों, स्थानीय सरकारों और व्यवसायों को अधिक पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार विकल्प प्रदान करता है। स्थिरता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता। इसने हमें एक ऐसा उत्पाद विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो न केवल पानी की गुणवत्ता बल्कि अपशिष्ट बायोमास निपटान की पर्यावरणीय चुनौतियों का भी समाधान करता है।" ऐसा कंपनी के सीईओ यशस भांड ने कहा.

जीएसी-01 विभिन्न अवशोषक गुणों को समायोजित करने के लिए कई प्रकारों और ग्रेडों में उपलब्ध होगा। यह बहुमुखी प्रतिभा जीएसी-01 को विभिन्न आकारों के प्रदूषकों को प्रभावी ढंग से लक्षित करने और इसके उपयोग के दौरान सोखने की गतिशीलता को प्रभावित करने की अनुमति देती है, जिससे इष्टतम जल उपचार परिणाम सुनिश्चित होते हैं।

जीएसी-01 के लॉन्च के साथ, ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम (ओआरएस) सक्रिय कार्बन उद्योग घरेलू और निर्यात बाजारों में महत्वपूर्ण प्रगति करने के लिए तैयार है, जहां अकेले भारत ने 2022 में सक्रिय कार्बन में $ 378 मिलियन का निर्यात किया, आर्थिक जटिलता की वेधशाला के अनुसार। मोर्डोर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक सक्रिय कार्बन बाजार मजबूत वृद्धि का अनुभव कर रहा है, जो 2024 में $ 4.32 बिलियन का अनुमान है, और 2029 तक $ 5.77 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना 5.95% की दर से बढ़ रहा है।

सेहत से भरपूर बादाम का तोहफा देकर मनाइये मदर्स डे

सूरत। ऐसा कोई एक दिन नहीं हो सकता, जब हम अपने जीवन में अपनी माँ के अनमोल योगदान का आभार जताएं। हमारी देखभाल करने वाले के रूप में माँ हमारी सेहत को अपनी सेहत से ज्यादा महत्व देती है। इस मदर्स डे पर माँ की सेहत और तंदुरुस्ती का ध्यान रखकर उनके निस्वार्थ प्रयासों को सम्मान देना जरूरी है। अपनी माँ को बादाम का एक सुंदर-सा डिब्बा उपहार में दिया जा सकता है। माँ की अच्छी सेहत सुनिश्चित करने के लिये यह तरीका कारगर होगा। बादाम में कुछ मौलिक पोषक-तत्व होते हैं, जो पूरी तंदुरुस्ती को बढ़ाते हैं। ऐसे में बादाम मदर्स डे पर तोहफे में देने के लिये सबसे बढ़िया हैं।

बादाम में प्रोटीन, ज़िंक, मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन 'ई' आदि होते हैं। अच्छी तरह से संतुलित आहार के तहत रोजाना मुट्ठीभर बादाम खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। जैसे कि ब्लड शुगर लेवल्स पर बेहतर नियंत्रण रहता है, कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य अच्छा होता है, त्वचा की सेहत बढ़िया होती है और वजन को नियंत्रित रखने में भी बादाम सहायक होती हैं। इसलिये, मदर्स डे पर बादाम का डिब्बा उपहार में देना माँ की तंदुरुस्ती में योगदान देने के अलावा अपना प्यार और फिक्र दिखाने का एक बढ़िया तरीका हो सकता है।

बॉलीवुड अभिनेत्री एवं सेलीब्रिटी सोहा अली खान ने कहा, ' 'बादाम मेरे परिवार की पीढ़ियों से एक पसंदीदा परंपरा हैं और इसके लिये मेरी माँ की बुद्धिमत्ता को धन्यवाद। मैंने यह तय किया है कि बादाम लगातार मेरे परिवार की डाइट में भी बनी रहें। मुझे अपनी डाइट में बादाम को शामिल करने से त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद मिली है। इसके अलावा मैं ऊर्जा से भरपूर और सक्रिय भी रहती हूँ, चाहे शूटिंग में कितनी भी व्यस्तता हो। मैं हमेशा अपने साथ बादाम का एक डिब्बा रखती हूँ। यह मीटिंग और शूटिंग के बीच तेजी से स्नैकिंग के लिये सबसे बढ़िया है। मेरा मानना है कि इस मदर्स डे पर माँ को तोहफे में बादाम देने से अच्छा कुछ नहीं होगा।''

फिटनेस एण्ड सेलेब्रिटी इंस्ट्रक्टर यास्मिन कराचीवाला ने कहा, ''फिटनेस को पसंद करने के कारण मैं बादाम जैसी पौष्टिक चीजों से शरीर के पोषण का जितना महत्व बता सकूं, वह कम ही होगा। बादाम में 15 जरूरी पोषक-तत्व होते हैं, जैसे कि कॉपर, ज़िंक, फोलेट, आयरन, विटामिन 'ई', मैग्नीशियम और फॉस्फोरस। इनसे सेहत को तरह-तरह के फायदे मिलते हैं। इसके अलावा, उनमें प्रोटीन भी अच्छा-खासा होता है, जो मांसपेशियों के विकास और रख-रखाव में जरूरी है। और इसलिये मुझे लगता है कि बादाम सेहत और फिक्र के तौर पर मदर्स डे के लिये सोच-समझकर दिया जाने वाला तोहफा बन सकती हैं।''

केश किंग एंटी-हेयरफॉल शैम्पू ने अपने नए ब्रांड कम्यूनिकेशन के लिए पलक तिवारीऔर शिल्पा शेट्टी के साथ एक नई जोड़ी को पेश किया है

कोलकाता । केश किंग एंटी-हेयरफॉल शैम्पू ने अपने नए विज्ञापन में युवा जोश से भरपूर और मनोरंजन की दुनिया के उभरते हुए सितारे पलक तिवारी एवं सदाबहार खूबसूरती की मलिका शिल्पा शेट्टी को एक साथ पेश किया है। सन् 2019 से ही शिल्पा शेट्टी ब्राण्ड की पहचान रही हैं और केश किंग आयुर्वेद ऑइल - भारत का नं. 1 हेयरफॉल एक्सपर्ट को एन्डोर्स करते रही हैं।

राजू हिरानी फिल्म्स द्वारा तैयार इस नए केश किंग एंटी-हेयरफॉल शैम्पू कमर्शियल में दो अदाकारा बहुत ही रोचक बातचीत करती हुई नज़र आएंगी और "उड़ें जब जब जुल्फें तेरी" जैसे पुराने ज़माने के गीत ने तो इसे और भी खास बनाया है । यह कमर्शियल मई महीने से प्रसारित किया जाएगा।

इस नए कमर्शियल के बारे में कहते हुए श्रीमती प्रीति सुरेका, डाइरेक्टर, ईमामी लिमिटेड ने कहा, "केश किंग बालों और स्कैल्प का ख्याल रखने वाला एक ब्राण्ड है और इसका आधार आयुर्वेद है। कई सालों से इस ब्राण्ड ने अपने ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा किया है। शिल्पा शेट्टी इसकी ब्राण्ड अम्बैसेडर हैं। शिल्पा हमेशा से ही योग के माध्यम से एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह देती आ रही हैं और इसलिए ब्राण्ड के प्राकृतिक समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता के लिए वह बिल्कुल उपयुक्त हैं। रोज़ाना गिरते बालों से परेशान आज की पीढ़ी को एक बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए बहुत ही टैलेंटेड पलक तिवारी को भी हमारे साथ शामिल किया गया है। बॉलीवुड की एक उभरती हुई कलाकार के रूप में पलक तिवारी और शिल्पा की सदाबहार खूबसूरती लोगों में एक नया जोश जगाएगी एवं एकदम नए अंदाज़ में ब्राण्ड की बातों को उन तक पहुँचाएगी ।"

सरसाना के भव्य डॉम में 250 साल पुराना पारना आचार्य सागरचंद्रसागर सूरी म. सा की निश्रा में आयोजित हुआ

सूरत। पिछले कई दिनों से जिस दिन का इंतजार था वह था अक्षय तृतीया यानी अखात्रिज शुक्रवार 10 मई को 250वीं वर्षीतप का भव्य पारना प्रवचन आचार्य सागरचंद्रसागर सूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में हुआ। आगमोद्धारक धनेरा आराधना भवन से सभी साधू व साध्वी सरसाना के डॉम पर पहुंचे। पारने में 11 हजार से अधिक लोग उमड़ पड़े और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व्यवस्था में जुट गये। जैन धर्म में लगातार 400 दिनों तक लगातार उपवास की इस तपस्या के पूरा होने की खुशी हृदय में नही समां रही हैं। इस अवसर पर गुजरात के गृह मंत्री श्री हर्ष सांघवी पहुंचे। लाभार्थी परिवार हस्तिनापुर नगरी एवं भोजन मण्डप के उद्घाटन हेतु पधारने के उपरान्त मा. गुरुदेवश्री ने सभी को मांगलिक मंगल प्रेरणा आशीर्वाद और समुहाई पच्चकुखाण का आशीर्वाद दिया। लताबेन प्रमोदभाई शाह ने गुरुजी को कामली भेंट करने का प्रस्ताव उदारतापूर्वक स्वीकार किया।

गुरुजी ने सभी तपस्वियों को आशीर्वाद दिया और श्रेयांसकुमार बने लीलाबेन मोहनलाल सकारिया परिवार ने पारना करवाया।

शारदाबेन जगजीवनदास शाह चाणस्मावाला परिवार ने सभी को चांदी का घड़ा और सोने की गिन्नियाँ देने का लाभ उठाया।सभी तपस्वियों का कंकू, तिलक, माला, श्रीफल, मोमेंटो गुलाब जल-चरण प्रक्षालन से अभिनंदन किया गया। आने वाले सभी अतिथियों का सुन्दर ढंग से सत्कार किया गया। पारने के लिए मुंबई, अहमदाबाद, मप्र, राजस्थान आदि राज्यों के अलावा विदेश, अमेरिका आदि देशों से भी रिश्तेदार आए। वेसू के इतिहास इतनी भव्य ऐतिहासिक पारना का आयोजन इतिहास में पहली बार हुआ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)